मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक

उल्हास विकास

■ वर्ष : 43 ■ अंक : 41 ■ रविवार, 20 अप्रैल 2025 3 रुपए ■ पृष्ठ 4

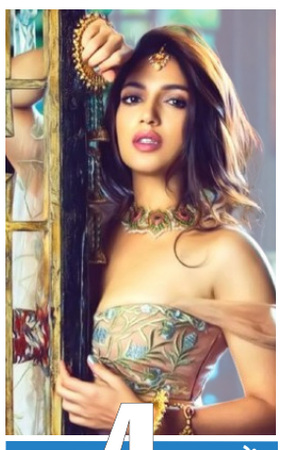

FOLLOW US @ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com Google Play
GET IT ON ULHAS VIKAS Google Play | Subscribe to our ULHAS VIKAS YouTube Channel | Subscribe

संपादक – हीरो अशोक बोधा BMM, L.LB., M.A.
Mobile.:- 9822045566
epaper.ulhasvikas.com

पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

कई OTT प्रोजेक्ट्स ठुकरा चुकी हैं भूमि पेडनेकर

अगले साल होंगे मनपा चुनाव!

■ ठाणे में बोले वन मंत्री गणेश नाईक

ठाणे. 'राजनीतिक क्षेत्र में काम करते समय, पार्षद, सदन के नेता, महापौर, विधायक-नामदार के पद पर विराजमान होते हैं। कुछ लोग पैसे के प्रति आसक्त रहते हैं, तो कुछ लोगों को अपनी शान-शौकत दिखाने की आदत होती है, लेकिन यह सब मिट्टी में चला जाता है; इसलिए मानवता को बचाने की सलाह देते हुए राज्य के वन मंत्री गणेश नाइक ने एक कार्यक्रम में कहा कि उन्हें नहीं लगता कि इस साल महानगर पालिका के चुनाव होंगे। नाईक ने 35 साल बाद बालकुम गांव का दौरा किया और इस बार उन्होंने चुनावों पर टिप्पणी की।

ठाणे बालकुम में, आई एकवीरा मित्र मंडल बालकुम के तत्वावधान में 'बालकुम ठाणे से एकवीरा कार्ला' पदयात्रा और पालकी समारोह के 21 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया था, जो कि 'बालकुम (ठाणे) से एकवीरा (कार्ला) तक ऐ एकवीरा देवी की चैत्र सप्तमी यात्रा के अवसर पर आयोजित किया गया था। इस मौके पर वन मंत्री गणेश नाईक समेत पूर्व सांसद संजीव नाईक, संकल्प नाईक, मंडल अध्यक्ष समीर भोईर, धनंजय सिंह, गजानन चौधरी, मेघनाथ घरत, विजय पाटिल समेत अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे.

इस अवसर पर गणेश नाईक ने कहा कि यदि मानवता बची रहे तो व्यक्ति का व्यक्तित्व निखरता है। नाईक ने यह भी विश्वास व्यक्त किया कि हम अपनी एकता के माध्यम से बोर्ड के अध्यक्ष समीर भोईर को जिला स्तर पर काम करने के लिए ताकत देंगे।

सुप्रीम कोर्ट में 4 मई को सुनवाई

राज्य में स्थानीय निकायों के चुनाव स्थगित कर दिए गए हैं। ओबीसी आरक्षण के मुद्दे के कारण राज्य में स्थानीय निकाय चुनाव में देरी हुई है। मुंबई नगर निगम चुनाव एक और कारण से विलंबित हो गए हैं। महायुति सरकार ने महाविकास अघाड़ी की ओर से तय वार्ड पुनर्गठन को रद्द कर दिया है। इसलिए यह मामला सुप्रीम कोर्ट में चला गया है। इस बात पर फैसला आने की उम्मीद है कि वार्ड पुनर्गठन निर्धारित करने का अधिकार सरकार को है या चुनाव आयोग को। इन मामलों की सुनवाई 4 मई को होगी। जानकारी सामने आ रही है कि अगर इस बार फैसला घोषित भी हो जाए तो प्रशासन इसी महीने चुनाव नहीं करा पाएगा।

राज्य चुनाव आयोग के अधिकारियों ने नगर निगम चुनाव की तैयारियों पर चर्चा की। नगर निगम के अधिकारियों का कहना है कि प्रशासन को चुनाव की तैयारी करने, समीक्षा करने, आरक्षण ड्रा निकालने, आपत्तियां मांगने और सूची की जांच करने के लिए लगभग 100 दिनों का समय चाहिए। इसलिए, भले ही फैसला 4 मई को घोषित हों, प्रशासन के पास तैयारी के लिए 100 दिन का समय हो सकता है। इसके अलावा मई के बाद बारिश का मौसम भी शुरू हो जाएगा। बारिश के मौसम में मतदान संभव नहीं है। इसलिए, संभावना है कि मुंबई नगर निगम चुनावों की घोषणा दिवाली के बाद संभवतः अक्टूबर में की जाएगी। उल्लेखनीय है कि यदि फैसले में देरी हुई तो चुनाव में और देरी होने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता।

अंबरनाथ में इस गरमी में बार-बार लाइट बंद

■ लोग परेशान, लोगों में रोष
■ आंदोलन की तैयारी

⏭ यूसुफ शेख

अंबरनाथ. अंबरनाथ शहर में बार-बार विद्युत बंद होने का प्रमाण बढ़ गया है. इस भयंकर गर्मी में दिन में भी और रात में भी बिजली गुल हो जाने से नागरिक हैरान हो गए हैं. ग्राहकों को पूर्व सूचना दिए बिना ही लाइट बंद कर दी जाती है. दो से तीन घंटे तक लाइट बंद होने से शहरवासी रोष में हैं. 15 दिन लाइट का बिल नहीं भरने पर महावितरण के कर्मचारी लाइट कट करने के लिए घर पर आ जाते हैं, लेकिन बार-बार लाइट गुल होने के शिकायत को महावितरण दूर नहीं कर रहा है. गत डेढ़ महिने से लाइट जाने की शिकायतें बढ़ गई हैं. लाइट क्यों बंद की गई है, लाइट कब तक आएगी? इसका मैसेज तक महावितरण द्वारा नहीं दिया जाता. ये महावितरण की मनमानी नहीं तो और क्या है? ऐसा लोगों का कहना है. महावितरण के अधिकारियों को इस ओर तुरंत ध्यान देने की जरूरत है. नागरिकों द्वारा आंदोलन का समय ना आ जाए, इसका ध्यान महावितरण को रखना चाहिए. जगह-जगह शादियां चल रही हैं. इस आनंद के समय बार-बार लाइट जाने का प्रकार बढ़ गया है. लाइट जाने के बाद शिकायत कौन-से मोबाइल नंबर पर किया जाए, इसका भी खुलासा महावितरण द्वारा किया जाना चाहिए. लोगों का कहना है कि जिस प्रकार लाइट का बिल वसूल किया जाता है, उसी तरह उन्हें लाइट भी 24 घंटे तक दी जाए, लाइट देने के लिए बहानेबाजी ना की जाए वरना रोष में आए लोग कभी भी आंदोलन छेड़ सकते हैं.

जलकुंभी हटाने उल्हास नदी में पहुंची मशीनें

नदी से जलकुंभी निकालने का काम शुरू

उल्हासनगर. प्रदूषण के कारण उल्हास नदी में बने जलकुंभी को हटाने का काम शुक्रवार को शुरू हुआ। महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के माध्यम से जलकुंभी को हटाने के लिए एक मशीन लाई गई है। यह मशीन शुक्रवार से काम करने लगी। इस मशीन का कई दिनों से इंतजार किया जा रहा था। शहरी सीवेज के कारण हर साल उल्हास नदी में बड़ी मात्रा में जल प्रदूषण उत्पन्न होता है। इसके कारण जल स्तर तेजी से गिरता है। इसलिए, जब ये जलकुंभी नदी के जरिए जलकेंद्र में प्रवेश करती हैं, तो वे केंद्रों को नुकसान पहुंचाती हैं। परिणामस्वरूप, जलापूर्ति प्रभावित होती है। शहरी और औद्योगिक अपशिष्ट जल एक बड़ी प्रदूषण समस्या बन गई है। अनेक प्रयासों के बावजूद अभी तक इस पर नियंत्रण पाना संभव नहीं हो सका है। परिणामस्वरूप, उल्हास नदी जलकुंभियों से घिरी हुई है।

सामाजिक संगठनों और पर्यावरणविदों ने उल्हास नदी से इन जलकुंभी को हटाने के लिए विरोध प्रदर्शन किया था। इस पर संज्ञान लेते हुए राज्य के अतिरिक्त मुख्य सचिव असीम गुप्ता ने एमएमआरडीए मुख्यालय में एक विशेष बैठक बुलाई और पानी की कमी का समाधान खोजने के प्रयास शुरू किए। 28 मार्च को हुई बैठक में निर्णय लिया गया था कि पंद्रह दिन के भीतर जलकुंभी निकालने वाली मशीन उपलब्ध करा दी जाएगी तथा इन मशीनों की संख्या बढ़ाकर 10 कर दी जाएगी। हालांकि पंद्रह दिन के भीतर ये मशीनें उपलब्ध नहीं हो सकीं। मशीन को अंततः शुक्रवार को उल्हास नदी में उतारा गया। इस मशीन की मदद से जलीय पत्तियों का निष्कर्षण शुरू हुआ।

■ समय रहते कार्ययोजना तैयार करें

महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने उल्हास नदी से जलकुंभी को हटाने की तैयारी कर ली है। इसके साथ ही पर्यावरणविद मांग कर रहे हैं कि ऐसे उपाय लागू किये जाएं जिनका दीर्घकालिक प्रभाव हो। असीम गुप्ता ने आदेश दिया था कि सभी सरकारी एजेंसियां एक साथ मिलकर इसके लिए कार्ययोजना तैयार करें। इसलिए पर्यावरणविद मांग कर रहे हैं कि इस कार्ययोजना को समय पर पूरा किया जाए और जल निकायों को हटाने के साथ ही इसे तुरंत लागू किया जाए।

■ जल संचयन से रोजगार सृजन होगा

उल्हास नदी से निकाले गए जलकुंभी को सुखाया जाएगा और विभिन्न घरेलू सामान बनाने के लिए उपयोग किया जाएगा। इसके लिए जिला परिषद महिला स्वयं सहायता समूहों को प्रशिक्षण दे रही है। जलकुंभी अपशिष्ट को फेंका नहीं जाएगा, बल्कि उसका पुनर्चक्रण किया जाएगा। इससे महिलाओं को रोजगार मिलेगा और उन्हें अच्छा पारिश्रमिक भी मिलेगा।

विकलांगों का संघर्ष सफल रहा

200 दिव्यांगों के खाते में जमा हुए 2200 रुपए

उल्हासनगर. दिव्यांगों की आवाज को प्रशासन से तत्काल समर्थन मिला और आयुक्त मनीषा अव्हाले के निर्णय से हजारों परिवारों की आंखों में खुशी के आंसू आ गए। उल्हासनगर महानगरपालिका के खिलाफ दिव्यांगों द्वारा किए गए विरोध प्रदर्शन के बाद आयुक्त द्वारा की गई त्वरित और संवेदनशील कार्रवाई हर जगह चर्चा का विषय बन गई है। उनके आदेश के कुछ ही घंटों के भीतर 200 दिव्यांग लोगों के खातों में 2,200-2,200 रुपये की मानदेय राशि जमा कर दी गई। प्रशासन की सकारात्मक प्रतिक्रिया ने विकलांगों के संघर्ष को वास्तविक सफलता बना दिया है।

डॉ. बाबा साहब अंबेडकर की जयंती के अवसर पर प्रहार जनशक्ति एवं राष्ट्र कल्याण पार्टी की पहल पर दिव्यांगों के अधिकारों के लिए मनपा परिसर में 'आत्मचिंतन आंदोलन' का आयोजन किया गया। प्रशासन की कार्रवाई इस विरोध प्रदर्शन के कुछ ही घंटों के भीतर शुरू हो गई। प्रदर्शन के दौरान आयुक्त द्वारा दिए गए वादे के अनुसार कुछ ही घंटों में 200 दिव्यांग लाभार्थियों के बैंक खातों में 2,200-2,200 रुपये की धनराशि सीधे जमा कर दी गई।

इस निर्णय को न केवल वित्तीय सहायता बल्कि प्रशासन की ओर से दिव्यांगों के लिए आत्मविश्वास बढ़ाने वाला कदम भी माना जा रहा है। शहर आयुक्त के त्वरित और विचारशील निर्णय की सराहना कर रहा है। इस निर्णय से दिव्यांगों का मनोबल बढ़ा है।

> मनपा की प्राथमिक जिम्मेदारी विकलांग व्यक्तियों के अधिकारों का सम्मान करना और उन्हें पूरा करना है। उनकी समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुनने के बाद तत्काल उनके खाते में मानदेय जमा कराने की कार्रवाई की गई है। प्रशासन भविष्य में भी बिना किसी देरी के यह सुविधा उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।
>
> **– मनीषा अव्हाले,** मनपा आयुक्त

उल्हासनगर बिल्डर्स एंड डेवलपर्स एसोसिएशन के

अध्यक्ष पद पर भरत गंगोत्री निर्विरोध निर्वाचित

■ सचिव पद पर अमर जगयासी और कोषाध्यक्ष पद पर भगवान माखीजा नियुक्त

उल्हासनगर. उल्हासनगर बिल्डर्स एंड डेवलपर्स एसोसिएशन के बहुचर्चित और बहुप्रतीक्षित चुनाव शुक्रवार 18 अप्रैल को संपन्न हुए। एसोसिएशन के अध्यक्ष पद पर भरत गंगोत्री राजवानी, सचिव पद पर अमर जगियासी और कोषाध्यक्ष पद पर भगवान माखीजा निर्विरोध नियुक्त किए गए। शहर के प्रतिष्ठित बिल्डरों ने मिलकर एसोसिएशन का गठन किया है जो शहर में रियल स्टेट और निर्माण उद्योग के क्षेत्र में कार्यरत लोगों के हितों का प्रतिनिधित्व करेगा और निर्माण क्षेत्रों के विकास के साथ साथ नियमों और विनियमों का पालन करते हुए प्रशासन का सहयोग लेते हुए कार्य करेगा।

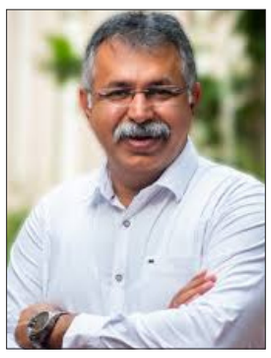

एसोसिएशन के पदाधिकारी इस प्रकार हैं। भरत गंगोत्री (अध्यक्ष), अमर जगियासी (सचिव), भगवान माखीजा (कोषाध्यक्ष) सदस्यों के रूप में अनिल होतचंदानी, ब्रजेश नंदवानी, दिनेश लहरानी, गोपाल रोहरा, हरेश हरिसिंघानी, कमल डेंबा, कुमार वाधवा, राजेश जेमनानी, सुनील गुरदासानी, सुरेश थडानी कार्य करेंगे।

अब 'हॉट मिक्स-हॉट लेड' से डामरीकरण

उल्हासनगर मनपा आयुक्त मनीषा आव्हाले ने दिया आदेश

उल्हासनगर. शहर की सड़कों की खराब स्थिति के बारे में नागरिकों की बढ़ती शिकायतों पर ध्यान देते हुए, मनपा आयुक्त मनीषा आव्हाले ने अब 'हॉट मिक्स-हॉट लेड' पद्धति का उपयोग करके डामरीकरण करने का आदेश दिया है। नागरिक इस बात से नाराज थे कि प्रशासन के बार-बार आश्वासन के बावजूद डामरीकरण की गुणवत्ता खराब थी। पहली बारिश में ही कई सड़कें गड्ढों में तब्दील हो गई हैं, जिससे यातायात जाम और दुर्घटनाएं बढ़ गई हैं। इसके लिए निर्णय लिया गया है कि शहर में डामरीकरण का हर काम 'हॉट मिक्स-हॉट लेड' तकनीक से किया जाएगा।

उल्हासनगर शहर की अधिकांश मुख्य और माध्यमिक सड़कें खस्ता हालत में हैं। नागरिकों ने बार-बार शिकायत की है कि पिछले कुछ महीनों में किए गए डामरीकरण कार्य में घटिया गुणवत्ता वाली सामग्री का उपयोग किया गया। इस पृष्ठभूमि में, मनपा आयुक्त मनीषा अव्हाले ने कड़ा निर्णय लेते हुए 'हॉट मिक्स हॉट लेड' तकनीक के अनिवार्य उपयोग का आदेश दिया है। आव्हाले द्वारा लिया गया यह निर्णय बहुत महत्वपूर्ण है। यदि 'हॉट मिक्स हॉट लेड' तकनीक का सही ढंग से उपयोग किया जाए तो शहर की सड़कों की आयु बढ़ाई जा सकती है और नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण सड़कें मिल सकती हैं। उल्हासनगर निवासियों ने प्रशासन के इस फैसले का स्वागत किया है, लेकिन यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि यह फैसला कितना कारगर होता है और क्या इससे वास्तव में सड़कों में सुधार होता है।

> हमने उल्हासनगर की सड़कों की दुर्दशा रोकने के लिए ठोस कदम उठाए हैं। अब से, सभी डामर सड़क का कार्य 'हॉट मिक्स-हॉट लेड' की अनुमोदित तकनीक का उपयोग करके किया जाएगा। गुणवत्ता पर कोई समझौता नहीं किया जाएगा। प्रत्येक कार्य की गुणवत्ता की जांच, निगरानी और प्रयोगशाला निरीक्षण किया जाएगा। घटिया कार्य करने वाले ठेकेदारों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी तथा उन्हें काली सूची में डाला जाएगा। हमारा लक्ष्य नागरिकों का पैसा और समय बर्बाद किए बिना शहर में टिकाऊ और सुरक्षित सड़कें बनाना है।
>
> **– मनीषा आव्हाले** आयुक्त मनपा

बदल रहा है उल्हासनगर : लक्ष्य की ओर विकास यात्रा और परिवर्तनकारी नेतृत्व

मनपा आयुक्त मनीषा आव्हाले के कार्यकाल में शहर को मिली नई पहचान और नई उम्मीद

उल्हासनगर. कभी अनुशासनहीन, अनियमित, अव्यवस्थित प्रशासन और लापरवाह शहरी जीवनशैली का प्रतीक माना जाने वाला उल्हासनगर शहर आज एक नए युग में प्रवेश कर रहा है। कभी उपेक्षित रहा यह शहर आज आयुक्त मनीषा आव्हाले के मार्गदर्शन में अनुशासन, स्वच्छता और स्मार्ट सिटी की ओर कदम बढ़ा रहा है।

मनीषा आव्हाले के आयुक्त के रूप में कार्यभार संभालने के कुछ ही महीनों के भीतर शहर में सकारात्मक बदलाव की लहर दौड़ गई। कार्य पद्धति आसान, पारदर्शी और तीव्र हो गई। उन्होंने बुनियादी ढांचे, स्वच्छता, नागरिक सहभागिता, महिला सुरक्षा, परिवहन योजना, डिजिटलीकरण और सांस्कृतिक जीवन सहित सभी क्षेत्रों में विकास को गति दी। उल्हासनगर जैसे बहुसांस्कृतिक, भीड़भाड़ वाले और सामाजिक रूप से विविध शहर में प्रशासन चलाना बहुत चुनौतीपूर्ण कार्य है, लेकिन मनीषा आव्हाले ने हर निर्णय में अनुशासन और मानवता का स्पर्श दिया.

मनीषा आव्हाले के कार्यकाल के दौरान उल्हासनगर ने न केवल स्वच्छता और नियोजन के मामले में, बल्कि सामाजिक जागरूकता, सुरक्षा जागरूकता और विकास की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण प्रगति की है। यह शहर अब महज एक उपनगर नहीं रह गया है, बल्कि एक 'स्मार्ट शहर' के रूप में उभर रहा है। इस सारे परिवर्तन के केंद्र में उल्हासनगर मनपा आयुक्त मनीषा आव्हाले के रूप में एक दूरदर्शी, निर्णायक और संवेदनशील नेतृत्व है। उन्होंने न केवल प्रशासन को सशक्त बनाया, बल्कि प्रशासन में नागरिकों का विश्वास भी बहाल किया।

नये उल्हासनगर पर एक नजर...

- ■ खुली सड़कें, नियमित पानी और स्वच्छ वातावरण
- ■ सुरक्षित महिलाएँ, संतुष्ट नागरिक
- ■ सक्षम, पारदर्शी और त्वरित प्रशासन
- ■ संस्कृति, समृद्धि और सहयोग का एक नया प्रवाह

> हम उल्हासनगर के समग्र विकास के लिए दृढ़ संकल्प के साथ काम कर रहे हैं। हमारा मुख्य लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि शहर के प्रत्येक नागरिक को बेहतर सुविधाएं, सुरक्षा और स्वच्छता का अनुभव हो। नागरिक भागीदारी और विश्वास हमारे काम की प्रेरणा है। प्रशासन उल्हासनगर के उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रतिबद्ध है।
>
> **–मनीषा आव्हाले** (आयुक्त, मनपा)

महत्वपूर्ण निर्णय

■ अतिक्रमण विरोधी अभियान- सड़कों को मिली खुली जगह

- शहर की सड़कें, फुटपाथ और सार्वजनिक स्थानों पर कई वर्षों से अतिक्रमण किया गया था। यातायात जाम में नागरिकों की सांसें घुट रही थीं। कमिश्नर आव्हाले ने इसे कठोर किन्तु मानवीय दृष्टिकोण से देखा। बाजार, अस्पताल परिसर और बस स्टेशन जैसे क्षेत्रों से अतिक्रमण हटाते हुए फेरीवालों के पुनर्वास की योजना भी क्रियान्वित की गई।

■ स्वच्छता अभियान – 'स्वच्छ उल्हासनगर' का संकल्प

- स्वच्छता केवल एक बाहरी छवि नहीं बल्कि मानसिकता का एक हिस्सा है, उन्होंने स्वच्छता अभियान में सभी स्तरों पर भागीदारी सुनिश्चित की।
- डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण प्रणाली पुनः शुरू की गई
- प्रत्येक वार्ड में नियमित सफाई एवं निरीक्षण
- कचरा मुक्त वार्ड प्रतियोगिता
- जन जागरूकता अभियान
- इससे शहर में स्वच्छता की एक नई लहर आई है।

■ पारदर्शी शासन – डिजिटलीकरण का प्रभावी उपयोग

- प्रशासन में गति एवं पारदर्शिता के लिए ई-ऑफिस प्रणाली, ऑनलाइन लाइसेंस एवं शिकायत निवारण पोर्टल का प्रभावी उपयोग प्रारम्भ किया गया है। नागरिकों ने घर से ही अपना काम पूरा करना शुरू कर दिया।

■ बुनियादी ढांचा - सड़कों, नालियों, जल आपूर्ति प्रणालियों में सुधार

- कई मुख्य सड़कों का कंक्रीटीकरण और डामरीकरण
- यातायात में सुधार के लिए सिग्नलिंग और वन-वे प्रणाली
- बरसात के मौसम में रुके हुए पानी की समस्या को खत्म करने के लिए जल निकासी प्रणालियों की सफाई और पुनर्निर्माण
- सुचारू जलापूर्ति सुनिश्चित करने के लिए पम्पिंग स्टेशन का उन्नयन और अनुसूचित आपूर्ति

■ महिलाओं के लिए सुरक्षित शहर - निडरता की गारंटी

- 'निर्भया योजना' के तहत शहर के महत्वपूर्ण स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए।
- महिला सहायता डेस्क
- सुरक्षित बस स्टॉप
- शिकायत पंजीकरण केंद्र
- इससे शहर में महिलाओं में सुरक्षा की भावना बढ़ी है।

■ नागरिक संचार – जनोन्मुख प्रशासन

- आयुक्त 'जन सुनवाई' जैसी पहल के माध्यम से नागरिकों के साथ सीधे संपर्क में रहते हैं।
- सोशल मीडिया पर त्वरित प्रतिक्रिया
- शिकायतों का समय पर समाधान
- साझेदारी के माध्यम से निर्णय
- इससे नागरिकों का प्रशासन पर भरोसा बढ़ा है।

■ सांस्कृतिक एवं सामाजिक गतिविधियों को बढ़ावा देना

- महानगरपालिका प्रशासन शहर में कई जागरूकता और सांस्कृतिक जागरूकता गतिविधियाँ कार्यान्वित कर रहा है:
- स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस, पर्यावरण दिवस, महिला दिवस जनभागीदारी से मनाए गए।
- स्कूल प्रतियोगिताएं, वृक्षारोपण, रक्तदान शिविर आदि कार्यक्रम आयोजित किए गए।

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास संपादकीय

स्कूलों की मनमानी

देश में शिक्षा के व्यवसायीकरण के बढ़ते दायरे का विद्रूप कई बार बेहद अफसोसनाक तस्वीर सामने कर देता है। निजी विद्यालयों में मनमानी इस कदर बढ़ती जा रही है कि वे विद्यार्थियों को केवल कमाई का जरिया समझने लगे हैं। ऐसा लगता है कि मुनाफाखोरी में लगे ये विद्यालय इस बात की बिल्कुल परवाह नहीं करते कि महंगाई के इस दौर में बच्चों को किसी तरह पाल रहे कुछ माता-पिता कैसे अतिरिक्त शुल्क का बोझ सहेंगे। हालांकि इनमें ज्यादातर शुल्कों का कोई मजबूत आधार नहीं होता है, लेकिन संबंधित सरकारी महकमे अपनी आंखें मूंद कर एक तरह से इसकी अनुमति ही देते हैं।

नतीजतन मनमानी बढ़ती जाती है। तकलीफदेह यह है कि शुल्क वसूलने के क्रम में स्कूल प्रबंधन की ओर से कई बार ऐसे तौर-तरीके अपनाए जाते हैं, जो न केवल नियमों के विरुद्ध होते हैं, बल्कि उसके लिए मानवीयता के सारे तकाजों को ताक पर रख दिया जाता है। गौरतलब है कि देश की राजधानी के द्वारका इलाके में स्थित दिल्ली पब्लिक स्कूल में अनधिकृत शुल्क का भुगतान न करने पर कुछ बच्चों को पुस्तकालय में बंद कर दिया गया और उन्हें कक्षाओं में जाने से भी रोक दिया गया।

इस तरह के अमानवीय व्यवहार पर दिल्ली उच्च न्यायालय ने सही ही स्कूल प्रबंधन को फटकार लगाई और कहा कि छात्रों के साथ गुलामों जैसा व्यवहार करने वाले ऐसे स्कूल बंद करने लायक हैं। जबकि किसी भी वजह से स्कूलों में बच्चों को कोई भी शारीरिक दंड देने पर सख्त मनाही है और समय-समय पर अदालतें भी इसके खिलाफ निर्देश जारी करती रही हैं। किसी भी तरह के भेदभाव और सार्वजनिक प्रताड़ना से बच्चों को कोमल मन-मस्तिष्क को ठेस पहुंचती है और इससे लगे सदमे का असर लंबे समय तक बना रह सकता है।

यह बाल अधिकारों का भी हनन है। दूसरी ओर माता-पिता स्वयं को अपमानित और प्रताड़ित महसूस करते हैं। ऐसी स्थिति में विद्यार्थियों का उत्पीड़न रोकने के लिए सुरक्षा उपाय होने चाहिए। मनमाने तरीके से शुल्क वसूलने के लिए विद्यालय द्वारा किसी भी तरह का भेदभाव हर हाल में अनुचित है। बच्चों को वस्तु समझ कर बर्ताव करने वाले स्कूलों पर सख्ती से लगाम लगाने की जरूरत है।

लोकतंत्र के कटु अनुभवों से निराश नेपाल

नेपाल इस समय राजनीतिक एवं आर्थिक अस्थिरता से घिरा है। एक लंबे राजनीतिक आंदोलन के बाद अप्रैल 2008 में नेपाल में राजशाही समाप्त हुई संविधान सभा के चुनाव हुए थे। इससे पूर्व लोकतंत्र की महक का पहला अहसास 1951 में हुआ था, जब 104 वर्ष की राणाशाही का अंत हुआ था।

नेपाली कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं बीपी कोइराला, गणेश मान सिंह, जीपी कोइराला आदि के संघर्षों का नतीजा था कि 1959 में पहली जनतांत्रिक सरकार अस्तित्व में आई, लेकिन राजवंश को ऐसी कोई व्यवस्था स्वीकार नहीं थी, लिहाजा सभी दलों पर प्रतिबंध लगाकर संविधान एवं संसद को भंग कर दिया गया।

नई सदी में पुनः लोकतंत्र बहाली आंदोलन में वामपंथी संगठनों की व्यापक हिस्सेदारी रही, जिसमें प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की पार्टी कम्युनिस्ट पार्टी (एमाले) और पुष्पकमल दहल प्रचंड के नेतृत्व वाली माओवादी पार्टी भी शामिल रही। कोइराला बंधुओं के घटते प्रभाव और आंतरिक कलह का नतीजा यह रहा कि प्रजातंत्र बहाली के अगुआ माओवादी और एमाले हो गए।

पिछले 16-17 वर्षों में लोकतंत्र समर्थक दलों के प्रति जनता के अविश्वास का ही नतीजा है कि राजशाही के समर्थन में जनता सड़कों पर उतर आई। नेपाल में इस समय कई विकल्पों पर चर्चा गर्म है। इस चर्चा के बीच ऐसे सवाल भी तैर रहे हैं कि क्या लोकतांत्रिक व्यवस्था विफलता की ओर अग्रसर है? क्या पुनः राजशाही ही एकमात्र

विकल्प है? क्या नेपाल को पुनः हिंदू राष्ट्र बनना चाहिए?

प्रचंड से लेकर नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष और पूर्व प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा तक यह मानने लगे हैं कि जनतंत्र समर्थक सरकारें जनता का विश्वास जीतने में विफल रही हैं। सभी दलों के प्रति अविश्वास बढ़ता जा रहा है, लेकिन राजशाही के समर्थन में किसी व्यापक जनउभार से ये नेता इन्कार कर रहे हैं। पिछले दिनों सभी दलों की बैठक में सर्वसम्मति से कहा गया कि राजशाही के समर्थन में निकले जुलूस के पीछे पूर्व राजा ज्ञानेंद्र की शह थी। हाल में नेपाली नव वर्ष (14 अप्रैल) को ज्ञानेंद्र ने जनता के नाम संदेश में कहा कि देश की पूरी व्यवस्था को नए सिरे से सोचना चाहिए। इसी दिन प्रचंड ने दावा किया कि देश को जल्द नई सरकार और नया गठबंधन देखने को मिलेगा।

इस पर प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने कहा कि सरकार बदलने की बात दिवास्वप्न जैसी है। प्रचंड ने सत्तारूढ़ दल नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष शेर बहादुर को ओली का साथ छोड़कर खुद के नेतृत्व में सरकार बनाने का प्रस्ताव भी दिया। आगे जो भी हो, सभी दलों के नेता इस पर सहमत दिखते हैं कि पिछले वर्षों में नेपाल में बहुत कम विकास हुआ है।

नेपाल में आर्थिक कठिनाई और राजनीतिक अस्थिरता के बीच भ्रष्टाचार चरम पर है। भ्रष्टाचार ने सरकार, व्यवसाय और समाज के सभी स्तरों पर घुसपैठ कर ली है, जिससे नागरिकों में रोष फैल रहा है। नौकरी पाने, सार्वजनिक सेवाओं तक पहुंच में राजनीतिक रसूख और रिश्वत को आवश्यक माना जाता है। ऐसे कई घोटाले हुए हैं, जिन्होंने सत्ता के कदाचार को उजागर किया है। सबसे ज्यादा निराशा वामपंथी नेताओं के आचरण को लेकर है, जिन्होंने शुचिता और सादगी को आवश्यक माना था। विलासितापूर्ण जीवनयापन में उन्होंने राजशाही की बराबरी कर ली है। जिन बातों को लेकर 'महल' की आलोचना की जाती थी, वे सभी अवगुण इन नेताओं की दिनचर्या का हिस्सा बन गए हैं।

नेपाल में हिंदू राष्ट्र और राजशाही की बहाली के लिए कई समूह आंदोलन चला रहे हैं। दुर्गा प्रसाई राजशाही के समर्थन में चल रहे आंदोलन का नेतृत्व कर रहे हैं। इससे पूर्व वह नेपाली कांग्रेस, माओवादी पार्टी और एमाले में रह चुके हैं। नेपाल में 1996 से 2006 तक चले गृहयुद्ध में भी उनकी भूमिका खासी महत्वपूर्ण थी। इस गृहयुद्ध में 17 हजार से अधिक लोग मारे गए थे। राजशाही समर्थक अब संसद पर कब्जे के नारे लगाते दिखते हैं। 'हिंदू राष्ट्र' समर्थक कई नेताओं की बातों से लगता है कि वे राजशाही की वापसी के प्रति नरमी नहीं रखते, पर देश को फिर हिंदू राष्ट्र बनता हुआ देखना चाहते हैं। नेपाली जनमत का एक बड़ा वर्ग भारतीय रुख के प्रति सकारात्मक राय रखता है।

प्रभु में पुनर्मिलन के लिए,
हमारी आत्मा को उन सभी चीजों
से मुक्त होना होगा जो प्रेम नहीं हैं।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

35 दवाओं पर फिर लगी पाबंदी

केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन यानी सीडीएससीओ की ओर से सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के औषधि नियंत्रकों को पैंतीस दवाओं पर पाबंदी लगाने का निर्देश आम जनता के स्वास्थ्य की सुरक्षा के मद्देनजर एक जरूरी कदम है। मगर इससे एक बार फिर यही साफ होता है कि दवा कंपनियां किस तरह आम लोगों की सेहत से खिलवाड़ कर रही हैं। गौरतलब है कि सीडीएससीओ ने पैंतीस 'फिक्स्ड-डोज काम्बिनेशन' यानी एफडीसी दवाओं के निर्माण, बिक्री और वितरण को रोकने का निर्देश दिया है, जिनमें दर्द निवारक, पोषण संबंधी पूरक आहार और मधुमेह रोधी दवाएं शामिल हैं।

इस प्रतिबंध का उद्देश्य इन दवाओं की वजह से जन स्वास्थ्य और सुरक्षा के सामने पैदा हो रहे खतरों को रोकना है। मगर सवाल है कि सरकार के संबंधित महकमों के तहत एक व्यापक तंत्र होने के बावजूद ये दवाएं खुले बाजार में कैसे पहुंचती हैं। किसी भी दवा के उत्पादन और उसके बाद बाजार में आकर एक जरूरतमंद उपभोक्ता तक पहुंचने की प्रक्रिया होती है। अगर कुछ दवाएं लंबे समय तक बाजार में बिकती रहती हैं तो उससे उपजे जोखिम के लिए आखिर कौन जिम्मेदार है?

पिछले वर्ष अगस्त में भी बुखार, सर्दी, एलर्जी और दर्द के लिए इस्तेमाल की जाने वाली एक सौ छप्पन एफडीसी दवाओं पर पाबंदी लगा दी गई थी। तब भी यह कहा गया था कि ये दवाएं इंसान के स्वास्थ्य के लिए खतरनाक साबित हो सकती हैं। ऐसे निर्देश अक्सर जारी किए जाते रहे हैं। मगर यह समझना मुश्किल है कि सख्ती के बावजूद फिर से कुछ ऐसी दवाएं खुले बाजार में कैसे

पहुंच जाती हैं।

दवा कंपनियों के लिए वे कैसे नियम-कायदे तय किए गए हैं, जिसके तहत वे ऐसी दवाओं का उत्पादन करती हैं और उन्हें उपभोक्ताओं तक पहुंचाया जाता है, जो इंसानों के स्वास्थ्य के लिए खतरा बन सकती हैं? अगर ऐसी दवाएं बनाने वाली कंपनियां राज्यों के प्राधिकरणों से इसके लिए लाइसेंस मिलने को ढाल बनाती हैं, तो क्या इन कंपनियों के साथ-साथ उन्हें इजाजत देने वाले संबंधित महकमों को भी कठघरे में खड़ा किया जाएगा?

सही है कि सीडीएससीओ ऐसी दवाओं को चिह्नित करती है और उसे प्रतिबंधित करने का फैसला करती है। मगर जितने दिनों तक लोगों की सेहत को खतरे में डालने वाली ऐसी दवाएं बिकती रहती हैं, जरूरतमंद लोग उन दवाओं का सेवन करते हैं, उसका क्या और कितना असर पड़ता होगा? पैंतीस या एक सौ छप्पन दवाओं पर पाबंदी लगाने की नौबत तभी आई, जब उसे स्वास्थ्य के लिए खतरनाक पाया गया। अगर किसी बीमारी के इलाज के क्रम में दी जाने वाली दवा को खतरनाक पाया जाता है, तो यह सुनिश्चित कब होता है?

जोखिम के दायरे में पाए जाने पर दवाओं पर लगी पाबंदी

जिन दवाओं को जोखिम के दायरे में पाया जाता है, उनके परीक्षण और उसके नतीजों को लेकर पूरी तरह आश्वस्त हुए बिना आम लोगों के लिए उसके उत्पादन, बिक्री या वितरण की इजाजत किस आधार पर दी जाती है? सुरक्षा और प्रभावकारिता के मूल्यांकन के बिना वैसी दवाओं के उत्पादन, बिक्री और वितरण के लिए लाइसेंस कैसे जारी कर दिया गया और चिकित्सक उनके सेवन की सलाह किस आधार पर देते हैं, जो सार्वजनिक स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बन सकता है?

दुनिया की सबसे बुजुर्ग पेंगुइन: दोगुनी से भी अधिक

जरा हट के

अक्सर कई जानवर अपनी सामान्य उम्र से कहीं अधिक जीवन जी कर दुनिया को चौंका देते हैं. ऐसा ही एक जानवर इन दिनों चर्चा में हैं क्योंकि वह अपनी प्रजाति के बाकी जानवरों की तुलना में एक दो साल अधिक नहीं बल्कि दोगुनी से भी अधिक उम्र तक जी गया है. हाल ही में दुनिया की सबसे बुजुर्ग हमबोल्ट पेंगुइन ने अपने 37वां जन्मदिन मनाया है. इसके लिए बाकायदा केक काटा गया, जो कि बर्फ और मछलियों से बना हुआ था. फिर भी यह दुनिया की सबसे ज्यादा उम्र वाली पेंगुइन के रिकॉर्ड से दूर है.

हैरानी की बात ये है कि आमतौर पर पेंगुइन की उम्र 10 से 15 साल की होती है. इस लिहाज से स्नेब की उम्र 3 गुना अधिक भी कही जाए तो हैरानी ना होनी चाहिए. स्नेब 1988 से कॉर्नवॉल के हायले के पैराडाइज पार्क जू में रह रही है. बीते 16 अप्रैल को ही उसने अपना जन्मदिन मनाया था.

स्नेब की देखभाल करने के वाले जू कर्मचारियों का कहना है कि दुनिया भर में जमा किए जाने वाले रिकॉर्ड के मुताकि स्नेब अपनी प्रजाति की सबसे बड़ी पेंगुइन है और उसकी उम्र वाकई हर किसी को चौंकाने का काम करती है. लेकिन ऐसा नहीं है कि ज्यादा उम्र होने की वजह से वह बीमार है या ठीक से चल फिर नहीं सकती है. बल्कि उसकी खुराक भी बहुत ही बढ़िया है.

एक हैरानी वाला फैक्ट आपको जानकर हैरानी होगी कि अभी भी स्नेब दुनिया में सबसे ज्यादा जीने वाला पेंगुइन होने का रिकॉर्ड अपने नाम नहीं कर पाई है. यह अनूठा रिकॉर्ड दक्षिण अफ्रीका के एक पेंगुइन के नाम है जिसका देहांत साल 2023 में हुआ था.

स्नेब 1988 में सरे में पैदा हुई थी जिसे जल्दी ही पैराडाइस पार्क जू में पहुंचा दिया गया. लेकिन उसके नाम की भी एक कहानी है. यह अजीब नाम उसकी देखभाल करने वाले ने रखा है. साल 2007 में उसने एक खतरनाक फंगल संक्रमण वाला रोग हुआ था. इस रो को एसपरगिलोसिस कहते हैं. जब उसका इलाज चल रहा था तो उसे नेब्युलाइजर के लिए स्प नाम की दवा दी जा रही थी. स्प और नेब को मिला कर उसका नाम स्नेब हो गया.

मटर-मशरूम की सब्जी

लंच में अगर आपका भी कुछ चटपटा और हेल्दी खाने का मन है, तो मटर-मशरूम की सब्जी आपके लिए बिल्कुल परफेक्ट है। इस सब्जी को आप चावल या रोटी किसी के साथ भी सर्व कर सकते हैं। इसे सब्जी को बनाने में बहुत ज्यादा समय नहीं लगता और इसे बनाना भी काफी आसान है। आइए जानें मटर-मशरूम की सब्जी बनाने की रेसिपी।

सामग्री :

- 1 कप मटर (ताजे या फ्रोजन)
- 200 ग्राम मशरूम (कटे हुए)
- 1 प्याज (बारीक कटा हुआ)
- 2 टमाटर
- 1 हरी मिर्च (बारीक कटी)
- 1 टेबलस्पून अदरक-लहसुन पेस्ट
- 1/2 टी-स्पून जीरा
- 1/2 टी-स्पून हल्दी पाउडर
- 1 टी-स्पून धनिया पाउडर
- 1/2 टी-स्पून गरम मसाला
- 1/2 टी-स्पून लाल मिर्च पाउडर
- 1 टेबलस्पून तेल या घी
- नमक स्वादानुसार
- हरा धनिया (गार्निश के लिए)

विधि :

मशरूम को पानी से धोकर सुखा लें और फिर उन्हें बीच से काटकर छोटे-छोटे टुकड़े कर लें।

अब एक कड़ाही में तेल गर्म करें, फिर उसमें जीरा डालकर भूनें। अब प्याज डालकर सुनहरा होने तक भूनें। जब प्याज भुन जाए, तब इसमें अदरक-लहसुन पेस्ट और हरी मिर्च डालकर 1 मिनट भूनें। फिर कटे हुए टमाटर डालें और नरम होने तक पकाएं। हल्दी, धनिया पाउडर, लाल मिर्च पाउडर और नमक डालकर अच्छी तरह मिलाएं। अब मटर और मशरूम डालकर 5-7 मिनट मध्यम आंच पर पकाएं। ढक्कन लगाकर हल्की आंच पर पकने दें, ताकि मशरूम अच्छी तरह पक जाए। अब लास्ट में गरम मसाला छिड़कें और 2-3 मिनट तक पकाएं। इसके बाद हरे धनिये से गार्निश करें। गर्मागर्म फुल्के, रोटी या पराठे के साथ सर्व करें।

हाइड्रेटेड स्किन के लिए लगाएं खीरे से बने 5 फेस मास्क

गर्मियों में तेज धूप, पसीना और प्रदूषण के कारण त्वचा रूखी, बेजान और डिहाइड्रेटेड हो जाती है। ऐसे में खीरा एक बेहतरीन नेचुरल उपाय है, जो त्वचा को ठंडक देने के साथ हाइड्रेट और ग्लोइंग बनाने में मदद करता है। खीरे में 95% पानी होता है, साथ ही, इसमें विटामिन-सी, विटामिन-के, एंटीऑक्सीडेंट्स और सिलिका जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो त्वचा को पोषण देते हैं। आइए जानते हैं गर्मी में हाइड्रेटेड और ग्लोइंग त्वचा पाने के लिए खीरे से बने 5 आसान फेस मास्क के बारे में।

● खीरा और दही का हाइड्रेटिंग मास्क

सामग्री

- खीरा (कद्दूकस किया हुआ)
- 2 चम्मच दही

बनाने की विधि

खीरे को ब्लेंड करके उसका पेस्ट बना लें और इसमें दही मिलाएं। इस पेस्ट को चेहरे पर लगाकर 15-20 मिनट के लिए छोड़ दें, फिर ठंडे पानी से धो लें।

फायदे

- दही में लैक्टिक एसिड होता है, जो त्वचा को एक्सफोलिएट करता है।
- खीरा त्वचा को ठंडक और हाइड्रेशन देता है। यह मास्क सनबर्न से राहत दिलाने में मदद करता है।

● खीरा और शहद का कॉम्बिनेशन

- यह मास्क डेड स्किन सेल्स को हटाकर ग्लोइंग स्किन देता है।
- खीरा और एलोवेरा का सूदिंग मास्क

सामग्री

- ½ खीरा
- 2 चम्मच एलोवेरा जेल

बनाने की विधि

- खीरे को ब्लेंड करके एलोवेरा जेल के साथ मिलाएं और चेहरे पर लगाएं। 20 मिनट बाद धो लें।

फायदे

- एलोवेरा सूजन और जलन को कम करता है।
- यह मास्क सनटैन और रैशेज से राहत दिलाता है। त्वचा को डीप हाइड्रेशन देता है।

● खीरा और नींबू का ब्राइटनिंग मास्क

सामग्री

- ½ खीरा
- 1 चम्मच नींबू का रस

बनाने की विधि

- खीरे के पेस्ट में नींबू का रस मिलाकर चेहरे पर लगाएं। 10-15 मिनट बाद धो लें।

फायदे

- नींबू विटामिन-सी से भरपूर होता है, जो त्वचा की रंगत निखारता है।
- यह मास्क डार्क स्पॉट्स और टैनिंग को कम करता है।
- ऑयली स्किन के लिए बेहतरीन ऑप्शन है।

● खीरा और ओटमील का मास्क

सामग्री

- ½ खीरा
- 1 चम्मच ओटमील (पीसा हुआ)

बनाने की विधि

- खीरे के पेस्ट में ओटमील मिलाकर चेहरे पर हल्के हाथों से स्क्रब करें। 10 मिनट बाद धो लें।

फायदे

- ओटमील डेड स्किन सेल्स को हटाकर त्वचा को सॉफ्ट बनाता है।
- यह मास्क ब्लैकहेड्स और पोर्स को कम करता है।
- त्वचा को हाइड्रेट और स्मूद बनाता है।

● खीरा और शहद का मास्क

सामग्री

- ½ खीरा (पेस्ट बनाकर)
- 1 चम्मच शहद

बनाने की विधि

- खीरे के पेस्ट में शहद मिलाकर चेहरे पर लगाएं और 15 मिनट बाद धो लें।

फायदे

- शहद एक प्राकृतिक मॉइश्चराइजर है, जो त्वचा को नमी देता है।

आज का राशिफल

मेष : भूमि व भवन की खरीद-फरोख्त लाभदायक रहेगी। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। कुसंगति से बचें। कारोबार में वृद्धि होगी। निवेशादि शुभ रहेंगे। रोजगार में वृद्धि होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। किसी बड़े काम में हाथ डाल पाएंगे।

वृषभ : अध्यात्म में रुचि रहेगी। किसी धार्मिक आयोजन में भाग लेने का मौका हाथ आएगा। सुख-शांति बने रहेंगे। कारोबार मनोनुकूल चलेगा। मित्रों का सहयोग लाभ में वृद्धि करेगा। लंबित कार्य पूर्ण होंगे। निवेश शुभ रहेगा। प्रसन्नता का वातावरण रहेगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। प्रमाद न करें।

मिथुन : रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। प्रसन्नता तथा मनोरंजन के साधन उपलब्ध होंगे। कारोबार लाभदायक रहेगा। भाइयों से सहयोग मिलेगा। कुसंगति से हानि होगी। नौकरी में प्रशंसा प्राप्त होगी। जोखिम व जमानत के कार्य बिलकुल न करें।

कर्क : बुरी खबर प्राप्त हो सकती है। मेहनत अधिक होगी। लाभ के अवसर टलेंगे। समय पर बाहर से धन नहीं मिलने से निराशा रहेगी। हल्की हंसी-मजाक करने से बचें। नौकरी में अधिकारी अधिक की अपेक्षा करेंगे। मातहतों का साथ नहीं मिलेगा। थकान रहेगी। व्यवसाय-व्यापार से मनोनुकूल लाभ होगा।

सिंह : सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा। धन प्राप्ति सुगम होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। नौकरी में सभी काम समय पर होने से प्रशंसा प्राप्त होगी। समय की अनुकूलता का लाभ लें। पारिवारिक चिंताओं में कमी होगी। प्रमाद न करें।

कन्या : पुराने साथियों तथा रिश्तेदारों से मुलाकात सुखद रहेगी। अच्छे समाचार प्राप्त होंगे। मान बढ़ेगा। किसी नए उपक्रम को प्रारंभ करने पर विचार होगा। लंबी यात्रा की इच्छा रहेगी। व्यापार-व्यवसाय से मनोनुकूल लाभ होगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। जल्दबाजी न करें।

तुला : कारोबार से लाभ होगा। निवेश में जल्दबाजी न करें। आय बनी रहेगी। थकान व कमजोरी रह सकती है। अज्ञात भय रहेगा। अनहोनी की आशंका रहेगी। वाहन, मशीनरी व अग्नि आदि के प्रयोग में सावधानी रखें। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। किसी भी व्यक्ति के उकसाने में न आएं।

वृश्चिक : फालतू खर्च होगा। शत्रुओं से सावधानी आवश्यक है। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। कोई भी निर्णय लेने में जल्दबाजी न करें। वाणी पर नियंत्रण रखें। काम में मन नहीं लगेगा। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। आय में निश्चितता रहेगी। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी।

धनु : डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है। यात्रा मनोनुकूल रहेगी। नए काम हाथ में आएंगे। कारोबारी वृद्धि से प्रसन्नता रहेगी। समय की अनुकूलता का लाभ लें। मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। भय रहेगा। पारिवारिक सहयोग से प्रसन्नता रहेगी। जल्दबाजी न करें।

मकर : योजना फलीभूत होगी। कार्यपद्धति में सुधार होगा। कार्यसिद्धि से प्रसन्नता रहेगी। मेहनत सफल रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। मान-सम्मान मिलेगा। कारोबार मनोनुकूल लाभ देगा। शेयर मार्केट में जल्दबाजी से बचें। विवेक का प्रयोग करें। भाग्य का साथ मिलेगा।

कुंभ : राजकीय सहयोग से कार्य पूर्ण होंगे। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा। वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। आवश्यक वस्तु समय पर नहीं मिलने से खिन्नता रहेगी। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। आय में वृद्धि होगी। समय की अनुकूलता मिलेगी। आलस्य हावी रहेगा।

मीन : नवीन वस्त्राभूषण पर व्यय होगा। परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता प्राप्त होगी। यात्रा मनोनुकूल लाभ देगी। नए काम मिल सकते हैं। कार्य से संतुष्टि रहेगी। प्रसन्नता तथा उत्साह का वातावरण बनेगा। कारोबार लाभदायक रहेगा। निवेश व नौकरी मनोनुकूल लाभ देंगे।

–ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग में अब हाईटेक व्यवस्था

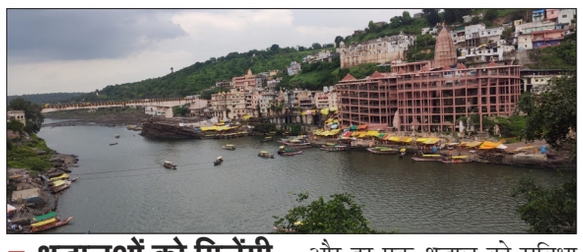

- श्रद्धालुओं को मिलेंगी नई सुविधाएं
- SMS से मिलेगा अपडेट!

मध्यप्रदेश के खंडवा जिले में स्थित ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग अब पूरी तरह बदल चुका है. यहां सिर्फ आस्था ही नहीं, तकनीक का संगम भी दिखने लगा है. देश के बारह प्रमुख ज्योतिर्लिंगों में शामिल ओंकारेश्वर अब डिजिटल तरीके से श्रद्धालुओं की सेवा में आगे बढ़ रहा है. इस बदलाव का मकसद है भीड़ को बेहतर ढंग से संभालना और हर एक श्रद्धालु को सुविधा देना. अब जब कोई श्रद्धालु ओंकारेश्वर दर्शन के लिए आएंगे, तो उन्हें कई नई चीजें देखने को मिलेंगी. सबसे पहले तो मंदिर की प्रोटोकॉल व्यवस्था को बदला गया है. अब किसी भी आयोजन या विशेष पूजा के लिए जब श्रद्धालु बुकिंग करेंगे, तो उसे एसएमएस के जरिए वालंटियर्स का नाम और मोबाइल नंबर मिलेगा. इससे उसे मदद के लिए इधर-उधर भटकना नहीं पड़ेगा.

मंदिर की आधिकारिक वेबसाइट को भी पूरी तरह से नया रूप दिया जा रहा है. इसमें लाइव दर्शन, ऑनलाइन पूजन की बुकिंग, होटल और रेस्तरां की जानकारी, और अलग-अलग पूजाओं की सुविधा एक ही जगह उपलब्ध कराई जा रही है. अब लोग घर बैठे बाबा ओंकार की पूजा कर सकेंगे. गूगल मीट जैसे प्लेटफॉर्म पर लाइव पूजन की शुरुआत हो चुकी है. इससे विदेशों में रहने वाले श्रद्धालु भी सीधे तौर पर जुड़ सकेंगे.

खंडवा के कलेक्टर ऋषव गुप्ता के अनुसार यह सारी व्यवस्था कुंभ 2028 को ध्यान में रखते हुए की जा रही है. ताकि तब तक पूरी व्यवस्था तैयार हो और किसी को कोई दिक्कत न हो. अब मंदिर परिसर में क्राउड मैनेजमेंट को लेकर खास ध्यान दिया जा रहा है. रैम्प का उपयोग बढ़ाया जा रहा है और एग्जिट गेट से एंट्री को पूरी तरह से बंद कर दिया गया है. इसका असर ये होगा कि भीड़ में धक्का-मुक्की की संभावना काफी कम हो जाएगी.

मंदिर में पार्थेश्वर पूजन, अभिषेक, नवग्रह शांति, कालसर्प दोष निवारण, नर्मदा पूजन जैसी पूजाएं अब ऑनलाइन बुक की जा सकती हैं. श्रद्धालु अपने नाम से पूजा कराने के लिए वेबसाइट पर जाकर बुकिंग कर सकते हैं.

कॉकरोचों से छुटकारा पाने का आसान उपाय

गर्मियों के मौसम में घरों में कॉकरोच की समस्या आम हो जाती है. ये दिखने में भी भद्दे लगते हैं और रात में किचन में आतंक मचाते हैं. ये कई बीमारियों को ट्रांसफर कर सकते हैं. किचन, बाथरूम, ड्रेन और अलमारी जैसे जगहों पर ये तेजी से फैलते हैं और साफ-सफाई के बावजूद पीछा नहीं छोड़ते. लेकिन अगर आप बार-बार कीटनाशक स्प्रे और कॉकरोच मारने वाली महंगी दवाओं से परेशान हो चुके हैं, तो अब सिर्फ 5 रुपए की चीज से छुटकारा पाया जा सकता है.

अगर घर में बार-बार महंगे केमिकल्स या कीटनाशक इस्तेमाल करना संभव नहीं, तो कुछ सस्ते और असरदार घरेलू नुस्खे आपकी मदद कर सकते हैं. सबसे पहला और सबसे कारगर उपाय है बोरिक पाउडर का इस्तेमाल, जो मेडिकल स्टोर पर 5-10 रुपए में मिल जाता है. यह कॉकरोच को घर से पूरी तरह बाहर कर सकता है. इसकी खासियत यह है कि ये कॉकरोच के शरीर में घुसकर उसे अंदर से खत्म कर देता है.

कैसे करें इस्तेमाल?

- सबसे पहले बोरिक पाउडर को किसी कटोरी या पेपर पर छिड़क लें.
- इसे घर के उन हिस्सों में रखें जहां कॉकरोच अक्सर दिखाई देते हैं, जैसे सिंक के नीचे, फ्रिज के पीछे, किचन स्लैब के किनारे, बाथरूम के कोने, और अलमारी के अंदर.
- इसे बच्चों और पालतू जानवरों से दूर रखें.
- हर 2-3 दिन में पाउडर को दोबारा डालते रहें ताकि असर बना रहे.

लेख में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

62 की उम्र में 45 साल की महिला से की शादी, दूसरे ही दिन दुल्हन ने किया कांड

कानपुर. कानपुर से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। जहां 62 साल के एक रिटायर्ड शख्स ने अकेले पन से परेशान होकर जीवनासाथी चुना। लेकिन शादी के 2 दिन बाद ही नई नवेली दुल्हन ने कैश और जेवर लेकर फरार हो गई। अब बुजुर्ग ने इसकी शिकायत थाने में की है। उधर, पुलिस भी मामले की जांच पड़ताल में जुट गई है। ये मामला कोयला नगर क्षेत्र का है। सीतापुर के रहने वाले 62 साल के हरीश कुमार शुक्ला रिटायर्ड सीओडी कर्मी हैं। हरीश के अनुसार उनके परिवार में कोई भी न होने के चलते वह एकाकी जीवन जी रहे थे। साथ ही नौकरी के दौरान वे सनिगवां में एक किराये के मकान में रह रहे थे, तभी उनकी मुलाकात दूसरे मकान में किराये पर रहने वाली करीब 45 साल की महिला के साथ हुई थी। इसके बाद दोनों में बातचीत होती थी। हरीश कुमार ने बताया कि महिला ने शादी कर देखभाल का झांसा दिया।

दर्दनाक हादसा: ट्रैक्टर के पिलर से टकराते ही मंदिर ढहा, दो बहन और भाई की दबकर मौत

औरैया. यूपी में औरैया में दर्दनाक हादसा हो गया। मढहामाछीझील गांव में चने की मड़ाई करते समय ट्रैक्टर मन्दिर के पिलर से टकरा गया, जिससे मन्दिर भरभराकर ढह गया। हादसे में मंदिर के चबूतरे पर बैठे एक ही परिवार के चार सदस्य मलबे में दब गए। मढहामाछीझील गांव निवासी अजय पाल सेंगर पुत्र हरनाम सिंह खेती किसानी करते हैं। शनिवार को अपनी पुत्रियों कजरी, साक्षी व पुत्र रौनक के साथ गांव में बने हनुमान मंदिर के चबूतरे पर बैठे थे। मंदिर के पास ही ट्रैक्टर चने की फसल की मड़ाई कर रहा था। ट्रैक्टर की मड़ाई करते समय अचानक ट्रैक्टर मंदिर के पिलर से टकरा गया। जिससे पिलर के साथ मंदिर भरभराकर ढह गया। चबूतरे में बैठे सभी लोग मंदिर के मलबे से दब गए।

बारात लेकर निकला दूल्हा, रास्ते में ट्रेन के आगे कूदकर की आत्महत्या, दुल्हन के टूटे अरमान

अमेठी. यूपी के अमेठी से एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। जहां एक दूल्हे ने सजधज कर बारात लेकर दुल्हन के घर के लिए निकला। लेकिन बीच रास्ते में उसने कथित तौर पर ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या कर ली। इस घटना से दोनों परिवारों में कोहराम मच गया। दुल्हन के शादी के सारे अरमान टूट गए। उधर, मामले की जानकारी मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंची और मामले की जांच में जुट गई। ये मामला जिले के गौरीगंज थाना क्षेत्र का है। जहां शुक्रवार देर शाम रायबरेली जिले के सलोन के राम किशोर यादव के 30 साल के बेटे रवि कुमार की बारात आजमगढ़ जा रही थी। बारात जब गौरीगंज क्षेत्र के सेठा चौराहे के पास पहुंची तो दूल्हा गाड़ी निकलकर कही चला गया। काफी देर तक परिजन उसका इंतजार करते रहे लेकिन वह फोन पर गुमराह करता रहा। इस बीच दूल्हा लखनऊ-वाराणसी रेल खंड पर पहुंच गया और गौरीगंज थाना क्षेत्र के बनी रेलवे स्टेशन के पास प्रतापगढ़ से लखनऊ की तरफ आ रही मालगाड़ी से कटकर आत्महत्या कर ली।

मोदी सरकार के तीन मंत्री भी भाजपा अध्यक्ष बनने की रेस में

- कैबिनेट में इनकी होगी एंट्री

नई दिल्ली. भाजपा के नए अध्यक्ष का ऐलान कभी भी हो सकता है। चर्चा है कि अप्रैल के आखिर तक भाजपा की ओर से जेपी नड्डा के विकल्प के तौर पर किसी नए नेता के नाम का ऐलान हो सकता है। भाजपा सूत्रों का कहना है कि केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल खट्टर का नाम भी अध्यक्ष की रेस में है। इसके अलावा मोदी सरकार में ही मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और भूपेंद्र यादव के नामों की भी चर्चा जोरों पर है। कहा जा रहा है कि इन तीन नेताओं में से किसी एक को अध्यक्ष की जिम्मेदारी दी जा सकती है। अध्यक्ष पर फैसला लेने से पहले आरएसएस की सलाह भी ली जाएगी। वहीं उससे पहले यूपी, बंगाल, आंध्र प्रदेश जैसे बड़े राज्यों में अध्यक्ष का फैसला भी लिया जाएगा। तभी राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव होगा।

पार्टी सूत्रों का कहना है कि भाजपा 25 अप्रैल तक यूपी समेत कई राज्यों में अध्यक्षों का ऐलान कर सकती है। इसके बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष के लिए नामांकन दाखिल किया जाएगा और किसी एक नेता का नाम सर्वसम्मति से तय किया जाएगा। पार्टी सूत्रों का कहना है कि मनोहर लाल खट्टर को लेकर सहमति बनने की संभावना अधिक है। इसकी वजह है कि वह पीएम नरेंद्र मोदी के करीबी हैं और उनकी पहली पसंद भी हैं। लंबे समय तक आरएसएस प्रचारक के तौर पर काम करने वाले मनोहर लाल खट्टर को संगठन की अच्छी समझ है। इसके अलावा आरएसएस को भी उनके नाम पर आपत्ति नहीं होगी, जो मानता है उसकी वैचारिक पृष्ठभूमि के नेता के हाथ में ही पार्टी की कमान होनी चाहिए।

इसके अलावा धर्मेंद्र प्रधान और भूपेंद्र यादव के नाम भी चर्चा में हैं। हालांकि मनोहर लाल खट्टर सबसे आगे माने जा रहे हैं। पीएम नरेंद्र मोदी और मनोहर लाल खट्टर के दशकों पुराने रिश्ते हैं। ऐसे में संगठन की कमान भी उनके भरोसेमंद व्यक्ति के पास होगी और आरएसएस भी इसे लेकर सहमत होगा। यही नहीं भाजपा में महासचिव के तौर पर भी राज्यों से कई नेताओं को शामिल किया जा सकता है। ये वे नेता होंगे, जो पूर्व मंत्री या सीएम जैसे पदों पर रह चुके हैं, लेकिन इन दिनों उनके पास कोई बड़ा दायित्व नहीं है। वहीं अभी संगठन में काम करने वाले कुछ लोगों को कैबिनेट में भी एंट्री दी जा सकती है।

बांग्लादेश में हिंदू नेता की पीट-पीटकर हत्या

- पत्नी बोलीं- पहले फोन कर कन्फर्म किया, फिर घर से उठा ले गए

ढाका. बांग्लादेश में अज्ञात लोगों ने एक बड़े हिंदू नेता की हत्या कर दी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, भाबेश चंद्र रॉय (58) को गुरुवार दोपहर को उनके घर से किडनैप किया गया और पीट-पीटकर मार डाला गया।

वे बांग्लादेश पूजा उद्यापन परिषद की बीराल इकाई के उपाध्यक्ष थे। हिंदू समुदाय में उनकी बड़ी पकड़ थी।

पुलिस ने बताया कि वे ढाका से कुछ 330 किमी दूर दिनाजपुर के बसुदेवपुर गांव के रहने वाले थे। भाबेश चंद्र रॉय की पत्नी शांतना ने बताया कि गुरुवार को करीब 4:30 बजे उनके पति को एक फोन आया था। फोन करने वाला सिर्फ यह जानना चाहता था कि भाबेश घर पर हैं या नहीं। इसके करीब आधे घंटे बाद दो बाइक पर सवार चार लोग उनके घर आए और भाबेश को जबरदस्ती उठाकर ले गए।

दिल्ली-NCR और जम्मू-कश्मीर में भूकंप

- अफगानिस्तान में 5.8 तीव्रता का भूकंप

नई दिल्ली. अफगानिस्तान में शनिवार को दोपहर 12:17 बजे रिक्टर पैमाने पर 5.8 तीव्रता का भूकंप आया।

भूकंप का असर जम्मू-कश्मीर और दिल्ली-NCR तक महसूस किया गया। हालांकि अब तक जान माल के नुकसान की कोई खबर नहीं है। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के मुताबिक भूकंप का असर जम्मू-कश्मीर के कुछ हिस्सों में भी महससू किया गया। श्रीनगर में एक स्थानीय व्यक्ति ने बताया- मैंने भूकंप महसूस किया। मैं दफ्तर में था, तभी मेरी कुर्सी हिली। कुछ इलाकों से लोगों को घरों और ऑफिस से बाहर भागते देखा गया।

थानेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी (NCS) के अनुसार, भूकंप सतह से 86 किलोमीटर नीचे आया। इसका केंद्र अफगानिस्तान-ताजिकिस्तान सीमा क्षेत्र में था। यह इलाका भूकंप के लिए सेंसेटिव जोन में गिना जाता है। इस क्षेत्र में भूकंप आना सामान्य बात है।

हिंदू नेता की बेरहमी से हत्या पर भारत की नाराजगी

बहाने बनाना बंद करो; यूनुस सरकार को दी नसीहत

नई दिल्ली. बांग्लादेश के दिनाजपुर जिले में हिंदू समुदाय के एक मशहूर नेता भाबेश चंद्र रॉय की बेरहमी से की गई हत्या पर भारत ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। भारत सरकार ने इस घटना की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए बांग्लादेश की अंतरिम सरकार से कहा है कि वह अल्पसंख्यकों की हिफाजत की जिम्मेदारी से ना भागे और बहानेबाजी बंद करे।

भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, 'हम बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यक नेता श्री भाबेश चंद्र रॉय के अपहरण और क्रूर हत्या से दुखी हैं। ये घटना बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों के खिलाफ हो रही सिलसिलेवार जुल्मों की कड़ी का हिस्सा लगती है, जबकि पुराने मामलों के गुनहगार अब भी खुलेआम घूम रहे हैं।'

सुरक्षा की जिम्मेदारी लीजिए : भारत सरकार

अपने ट्वीट में जायसवाल लिखते हैं, 'हम इस नृशंस हत्या की निंदा करते हैं और बांग्लादेश की अंतरिम सरकार को दोबारा याद दिलाते हैं कि बिना किसी बहाने या भेदभाव के हिंदुओं सहित सभी अल्पसंख्यकों की रक्षा करने की अपनी जिम्मेदारी को पूरा करे।'

पश्चिम बंगाल के राज्यपाल मुर्शिदाबाद पहुंचे:बोले-

पीड़ितो को फोन नंबर दिया है, केंद्र को रिपोर्ट भेजेंगे

- BJP की मांग- NIA जांच करे

मुर्शिदाबाद. पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सी.वी. आनंद बोस शनिवार को हिंसा प्रभावित मुर्शिदाबाद पहुंचे हैं। अपने दौरे पर बोस ने कहा, 'यह कल के दौरे का विस्तार है। मैं आज और जगहों पर जाऊंगा और प्रभावित लोगों से मिलूंगा।'

राज्यपाल हिंसा में जान गंवाने वाले लोगों के परिवार से भी मिले। उन्होंने कहा कि पीड़ितों को फोन नंबर उपलब्ध किया गया है, जिससे लोग मुझसे सीधे बात करने के लिए स्वतंत्र महसूस करें। बोस ने प्रभावी कदम उठाने का वादा भी किया। राष्ट्रीय महिला आयोग (NCW) और राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (NHRC) की टीम भी मुर्शिदाबाद का दौरा करेगी। शुक्रवार को मालदा पहुंचने के बाद राज्यपाल बोले- कानून व्यवस्था बनाए रखना राज्य सरकार की जिम्मेदारी है। अगर राज्य को मदद की जरूरत है, तो हम केंद्र बल भेजने के लिए तैयार हैं। उन्होंने दौरे की रिपोर्ट केंद्र सरकार को सौंपने की भी बात कही। NHRC की टीम ने शुक्रवार को मालदा के परलालपुर हाई स्कूल का दौरा किया था।

इस बीच, राष्ट्रीय महिला आयोग (NCW) की टीम ने भी राहत शिविरों का दौरा किया। NCW की अध्यक्ष विजया रहाटकर गुरुवार को कोलकाता पहुंची थीं। 11 अप्रैल को हुई हिंसा के दौरान मारे गए बाप-बेटे के परिवार से मिलने के बाद, विजया रहाटकर ने कहा, 'ये लोग इतने दर्द में हैं कि मैं अभी बोल नहीं पा रही हूं। मेरे पास उनके दर्द को बयां करने के लिए शब्द नहीं हैं।'

NCW सदस्य अर्चना मजूमदार ने कहा, 'कुछ महिलाओं ने अपने पति खो दिए, कुछ ने अपने बेटे को खो दिया। लोगों को उनके घरों से बाहर निकाला गया और मार डाला गया। मुझे नहीं पता कि पश्चिम बंगाल में ऐसी घटनाएं पहले कभी हुई हैं या नहीं। हमने यह सब पहली बार देखा है। सरकार को इसकी जिम्मेदारी लेनी चाहिए।'

वहीं, पश्चिम बंगाल BJP विधायक अग्निमित्र पॉल ने कहा- मुर्शिदाबाद में जो हुआ वह आंखें खोलने वाला था। जिहादी सनातनी लोगों के घर, दुकानें और मंदिर जला रहे हैं। क्या यह सीरिया, अफगानिस्तान या पाकिस्तान है?

ब्राह्मण समुदाय विवाद पर अनुराग कश्यप ने माफी मांगी

- बोले- कोई भी स्पीच बेटी, परिवार से ज्यादा नहीं
- डायरेक्टर ने आपत्तिजनक शब्द कहे थे

मुंबई. एक्टर-डायरेक्टर अनुराग कश्यप ने ब्राह्मण समुदाय पर दिए अपने आपत्तिजनक बयान पर माफी मांगी। शुक्रवार देर रात उन्होंने इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया।

उन्होंने लिखा- मैं माफी मांगता हूं, पर ये मैं अपनी पोस्ट के लिए नहीं बल्कि उस एक लाइन के लिए मांग रहा हूं, जिसको गलत तरह से लिया गया और नफरत फैलाई गई। कोई भी एक्शन या स्पीच आपकी बेटी, परिवार, दोस्त और जानने वालों से ज्यादा नहीं। उन्हें रेप की धमकी मिल रही है, जान से मारने की धमकी दी जा रही है। जो खुद को संस्कारी कहते हैं, वो लोग ये सब कर रहे हैं।

उन्होंने आगे लिखा- तो कही हुई बात वापस नहीं ली जा सकती और न लूंगा, लेकिन मुझे जो गाली देनी है दो। मेरे परिवार ने न कुछ कहा है और न कहता है। इसलिए अगर मुझसे माफी ही चाहिए तो ये मेरी माफी है। ब्राह्मण लोग औरतों को बख्श दो, इतना संस्कार तो शास्त्रों में भी है, सिर्फ मनुवाद में नहीं है। आप कौन से ब्राह्मण हो तय कर लो? बाकी मेरी तरफ से माफी।

दरअसल, 'फुले' फिल्म पर कॉन्ट्रोवर्सी चल रही है। इसकी रिलीज रिलीज में देरी और CBFC के बदलावों से परेशान होकर अनुराग ने केंद्र सरकार, ब्राह्मण समुदाय और सेंसर बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन पर कई सवाल उठाए थे। इसके बाद कश्यप को ब्राह्मण समुदाय ने जमकर ट्रोल किया था।

अनुराग पर निशाना साधते हुए एक यूजर ने लिखा था- ब्राह्मण तुम्हारे बाप हैं, जितना तुम्हारी उनसे सुलगती, उतना तुम्हारी सुलगाएंगे।

दिल्ली में 4 मंजिला इमारत गिरी:4 की मौत

- 10 से ज्यादा लोग अब भी मलबे में फंसे
- रेस्क्यू ऑपरेशन जारी

नई दिल्ली. दिल्ली के मुस्तफाबाद इलाके में शुक्रवार देर रात ढाई बजे 4 मंजिला बिल्डिंग ढह गई। हादसे में अब तक 4 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि अभी भी 10 से ज्यादा लोगों के मलबे में फंसे होने की आशंका है। पुलिस के मुताबिक, हादसे में 22 से ज्यादा लोग मलबे में दब गए थे।

अब तक 14 लोगों को रेस्क्यू कर जीटीबी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने 4 को मृत घोषित कर दिया। मौके पर NDRF और दिल्ली पुलिस की टीमें रेस्क्यू ऑपरेशन में जुटी हैं।

डिविजनल फायर ऑफिसर राजेंद्र अटवाल ने बताया कि देर रात करीब 2:50 बजे एक मकान ढहने की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंचे तो पता चला कि पूरी बिल्डिंग ढह गई है और लोग मलबे में फंसे हुए हैं। पुलिस के साथ मिलकर बचाव अभियान चलाया है।

दरअसल, शुक्रवार रात दिल्ली में मौसम ने अचानक करवट ली थी। तेज बारिश और आंधी-तूफान के चलते कई इलाकों में नुकसान हुआ। माना जा रहा है कि इसी वजह से मुस्तफाबाद की इमारत भी ढह गई।

उत्तराखंड में उर्वशी रौतेला के बयान से बवाल

देहरादून. बदरीनाथ धाम के पास मेरा नाम का मंदिर और श्रद्धालु पूजा-अर्चना करते हैं. उर्वशी रौतेला के इस विवादित बयान के बाद उत्तराखंड में बवाल मच गया है। तीर्थ-पुरोहित समाज रौतेला के बयान की जमकर निंदा कर रहे हैं।एक्ट्रेस रौतेला का यह विवादित बयान सोशल मीडिया में जमकर वायरल भी हो रहा है। बयान को लेकर लोग तरह-तरह की टिप्पणी कर कर रहे हैं। एक्ट्रेस रौतेला के बदरीनाथ धाम के पास उर्वशी मंदिर को अपने नाम का बताए जाने पर उत्तराखंड चार धाम तीर्थ पुरोहित महापंचायत ने आपत्ति जताई है।

महापंचायत ने चेतावनी दी है कि यदि बयान वापस लेकर माफी नहीं मांगती हैं तो, उनके खिलाफ केस दर्ज कराया जाएगा। महापंचायत ने सरकार से उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। महापंचायत ने कहा कि उर्वशी मंदिर बदरीनाथ के निकट स्थित है। यह इस क्षेत्र की अधिष्ठात्री देवी है।

उत्तराखंड चारधाम तीर्थ महा पंचायत के प्रवक्ता अनुरुद्ध प्रसाद उनियाल ने बयान जारी कर कहा कि यह अत्यंत खेदजनक है कि कुछ लोगों द्वारा सस्ती लोकप्रियता हासिल करने को इस तरह के बयान दिए जा रहे हैं। इससे लोगों के बीच गलत संदेश जा रहा है।

इसके अलावा उन्होंने यह भी कहा कि वह दक्षिण भारतीय फिल्मों में काम कर रही हैं, वो चाहती हैं कि उनके नाम पर दक्षिण भारत में भी मंदिर बने। दक्षिण सिनेमा में ऐसा काम करे कि वहां उनका भी मंदिर बने।

अभिनेत्री उर्वशी रौतेला का बदरीनाथ में मंदिर को लेकर दिए एक इंटरव्यू को लेकर उर्वशी की मां मीरा रौतेला ने साफ किया है कि उर्वशी उस इंटरव्यू में यह कहना चाह रही हैं कि बदरीनाथ में स्वर्ग की अप्सरा उर्वशी का एक मंदिर है, चूंकि उनका भी नाम उर्वशी है।

उर्वशी की मां मीरा बोलीं, वीडियो से छेड़छाड़

एक इंटरव्यू में उर्वशी रौतेला के बयान पर उनकी मां मीरा रौतेला ने साफ किया कि उर्वशी उस इंटरव्यू में यह कहना चाह रही हैं कि बदरीनाथ में स्वर्ग की अप्सरा उर्वशी का एक मंदिर है। उन्होंने कहा कि वह चाहती हैं कि दक्षिण फिल्मों में वह भी कुछ ऐसा काम कर पाएं कि उनका एक मंदिर दक्षिण में बने।

बांगर की बेटी बोलीं-जेंडर चेंज पर क्रिकेटर्स गालियां देते थे

- पिता ने खेलने से मना किया था
- हार्मोन थेरेपी कर आर्यन से अनाया बनीं

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व खिलाड़ी और क्रिकेटर संजय बांगर के बेटे ने हाल ही में जेंडर चेंज करवाया और आर्यन से अनाया बांगर बन गए। उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा है कि उनके बारे में जानने के बाद कुछ खिलाड़ी उन्हें गंदी-गंदी गालियां देते थे, वहीं उन्होंने आरोप लगाया कि एक क्रिकेटर ने उन्हें अपने साथ सोने भी ऑफर दिया।

अनाया ने बताया, 'जब मैं भारत में थी तब मैंने एक पुराने क्रिकेटर को अपनी स्थिति के बारे में बताया। उसने मुझसे कहा कि चलो कार में चलते हैं, मैं तुम्हारे साथ सोना चाहता हूं।'

नग्न तस्वीरें भी भेजते थे

उन्होंने कहा कि कुछ क्रिकेटर्स ऐसे भी रहे हैं जिन्होंने मुझे अपनी नग्न तस्वीरें भेजी हैं। एक व्यक्ति मेरे साथ गाली-गलौच करता था। उन्होंने कहा कि वह व्यक्ति सबके सामने गालियां देता था। फिर वही व्यक्ति मेरे पास आकर बैठता था और मेरी तस्वीरें मांगता था।

पिता ने कहा था कि क्रिकेट में कोई जगह नहीं हो सकती है

परिवार से हमेशा सपोर्ट मिला। पिता ने मुझे फैक्ट्स से अवगत कराते हुए कहा था क्रिकेट में मेरे जैसे लोगों के लिए जगह नहीं है। इसलिए मैंने सोचा कि मुझे खुद के लिए कुछ तो स्टैंड लेना ही होगा।

8-9 साल की उम्र में अहसास हुआ कि गलत जेंडर में हैं

अनाया ने कहा, 'जब मैं 8 या 9 साल की थी तब मैं अपनी मां की अलमारी से कपड़े निकालती थी और उसे पहनती थी। फिर मैं खुद को शीशे में देखते हुए कहती कि मैं एक लड़की हूं और मैं यही बनना चाहती हूं।'

इस साल भारत आएंगे एलन मस्क

- मोदी से बातचीत के बाद बोले- मेरे लिए सम्मान की बात

टेस्ला और स्पेसएक्स के सीईओ एलन मस्क ने शनिवार को कहा कि वह इस साल के अंत में भारत आने के लिए उत्सुक हैं। शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ बातचीत के बाद मस्क ने यह जानकारी दी है। मस्क इस साल भारत में टेस्ला को लॉन्च करने की भी तैयारी कर रहे हैं। पिछले दिनों टेस्ला ने शोरूम के लिए मुंबई और दिल्ली में जगह भी किराए पर ले ली है।

एलन मस्क ने फोन पर पीएम मोदी के साथ बातचीत के बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया, 'पीएम मोदी से बात करना सम्मान की बात थी। मैं इस साल के अंत में भारत आने का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं।' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी एक्स पर अपनी बातचीत का विवरण साझा किया।

पीएम मोदी ने लिखा था, 'एलन मस्क से बात की और विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की, जिसमें इस साल की शुरुआत में वॉशिंगटन डीसी में हमारी बैठक के दौरान शामिल किए गए विषय भी शामिल हैं। हमने प्रौद्योगिकी और नवाचार के क्षेत्रों में सहयोग की अपार संभावनाओं पर चर्चा की। भारत इन क्षेत्रों में अमेरिका के साथ अपनी साझेदारी को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।"

पीएम मोदी ने इस साल की शुरुआत में अमेरिका का दौरा किया था, जहां उनकी मुलाकात एलन मस्क के साथ भी हुई थी। उस बैठक के दौरान, मोदी और मस्क ने अंतरिक्ष अन्वेषण, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, नवाचार और सतत विकास सहित प्रमुख क्षेत्रों में भारतीय और अमेरिकी संस्थाओं के बीच सहयोग को मजबूत करने पर चर्चा की।

फरवरी की बैठक के बाद एक बयान में, विदेश मंत्रालय ने कहा था, 'प्रधानमंत्री और मस्क ने नवाचार, अंतरिक्ष अन्वेषण, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और सतत विकास में भारतीय और अमेरिकी संस्थाओं के बीच सहयोग को मजबूत करने पर चर्चा की। उनकी चर्चा में उभरती प्रौद्योगिकियों, उद्यमिता और सुशासन में सहयोग को गहरा करने के अवसरों पर भी चर्चा हुई।'

अंडरवर्ल्ड डॉन मुथप्पा राय के बेटे पर जानलेवा हमला

- बेंगलुरु में घर से 200 मीटर दूर की घटना
- पूर्व पत्नी और बिल्डर पर शक

बेंगलुरु. पूर्व अंडरवर्ल्ड डॉन मुथप्पा राय के बेटे रिकी राय पर शुक्रवार देर रात बेंगलुरु के पास बिद्दी इलाके में जानलेवा हमला हुआ। पुलिस के अनुसार, रिकी राय अपनी कार में ड्राइवर और गनमैन के साथ बेंगलुरु लौट रहे थे।

रात करीब 1:30 बजे, उनके घर से महज 200 मीटर दूर, एक अज्ञात हमलावर ने दो राउंड फायरिंग की। दोनों को बेंगलुरु के मणिपाल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने कहा कि दोनों खतरे से बाहर हैं।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक, रिकी हाल ही में रूस से लौटे थे और पारिवारिक मामलों को सुलझा रहे थे। हमले की एक बड़ी वजह एक रियल एस्टेट कारोबारी से चल रहा विवाद माना जा रहा है। रिकी के ड्राइवर ने एक बिल्डर और रिकी की पहली पत्नी पर शक जताया है।

मुथप्पा राय के एक पुराना दुश्मन भी जांच के घेरे में है। बिददी पुलिस स्टेशन में अटेंप्ट टू मर्डर और आर्म्स एक्ट के तहत केस दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने कहा कि हमले के पीछे कई एंगल्स की जांच चल रही है।

दही में जहर मिलाकर तीनों बच्चों को खिला दिया

- प्रेमी से शादी करने के लिए महिला की करतूत

तेलंगाना में एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। यहाँ पर एक महिला ने अपने प्रेमी के साथ नई जिंदगी शुरू करने के लिए कथित तौर पर अपने तीन बच्चों को दही चावल में जहर मिलाकर खिला दिया और किसी को संदेह न हो इसलिए खुद भी थोड़ा जहर खा लिया। बाद में बच्चों के साथ उसे भी अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां पर उसकी जान तो बच गई लेकिन बच्चों को नहीं बचाया जा सका। पुलिस के मुताबिक संगारेड्डी में पिछले महीने हुई इस घटना की जांच जारी थी। आरोपी रजिता एक निजी स्कूल में शिक्षिका के रूप में काम करती है। जिस रात अपने तीनों बच्चों को जहर खिलाए उस रात उसका पति घर पर मौजूद नहीं था। तीनों बच्चों और मां पर जहर का असर देख पुलिस का पहला शक पति पर ही गया। क्योंकि परिवार में वही बचा था लेकिन पूछताछ के दौरान पुलिस को उससे ज्यादा कोई जानकारी नहीं मिली।

आम सूचना

मैं श्री महेश किशोर कुशवाहा सभी को सूचित कर रहा हूं कि दुकान नं. 8, उल्हास स्टेशन के पास, उल्हासनगर- 3. (टैक्स नं. 34सीओ006243700) उक्त प्रॉपर्टी श्रीमती यशोधा आर. शेट्टी व श्री रघुराम शेट्टी के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 17.4.2025 नं. 1631/2025 द्वारा खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री महेश किशोर कुशवाहा

संक्षेप...

8 मई को दिन में बंद रहेगी उड़ानें

मुंबई. मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर 8 मई को सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे तक सभी उड़ान सेवाएं अस्थायी रूप से बंद रहेंगी। यह निर्णय रनवे की सालाना प्री-मानसून मरम्मत के तहत लिया गया है। मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड ने यह जानकारी दी। मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड ने बताया कि इस कार्य के लिए अनिवार्य नोटिस टू एयरमेन छह महीने पहले ही जारी कर दिया गया था ताकि एयरलाइंस समय रहते अपनी उड़ानें पुनर्निर्धारित कर सकें। एयरपोर्ट प्रबंधन के अनुसार यह वार्षिक मरम्मत रनवे की सुरक्षा और दीर्घायु सुनिश्चित करने के लिए जरूरी है। विशेषज्ञ रनवे की सतह की जांच करेंगे और मानसून के दौरान जलभराव जैसी समस्याओं से निपटने के लिए उपाय करेंगे।

फिर साथ आने वाले हैं ठाकरे बंधु ?

■ **उद्धव और राज के बयान के बाद महाराष्ट्र में हलचल तेज**

मुंबई. महाराष्ट्र की राजनीति में एक बार फिर से हलचल मची हुई है। कयास लगाए जा रहे हैं कि ठाकरे ब्रदर्स एक बार फिर से साथ आ रहे हैं। राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे के राजनीतिक रास्ते 2005 में ही अलग हुए थे। अब चचेरे भाई राज और उद्धव ठाकरे दोनों ने मराठी पहचान और संस्कृति के लिए कथित खतरों की चिंताओं के बीच सुलह का संकेत दिया है। अलग-अलग कार्यक्रमों में बोलते हुए दोनों नेताओं (जो क्रमशः शिवसेना (UBT) और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (MNS) का नेतृत्व करते हैं) ने एक साझा संदेश दिया कि महाराष्ट्र के भाषाई और सांस्कृतिक हित राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता से ऊपर हैं।

राज ठाकरे ने दिया इशारा

अभिनेता और फिल्म निर्माता महेश मांजरेकर के साथ एक पॉडकास्ट के दौरान चचेरे भाइयों के बीच पुनर्मिलन की संभावना के बारे में पूछे जाने पर राज ठाकरे ने कहा कि उनके और उनके चचेरे भाइयों के बीच मतभेद महाराष्ट्र के हितों के लिए हानिकारक साबित हो रहे हैं। राज ठाकरे ने कहा, "उद्धव और मेरे बीच विवाद और झगड़े मामूली हैं। महाराष्ट्र इन सबसे कहीं बड़ा है। ये मतभेद महाराष्ट्र और मराठी लोगों के अस्तित्व के लिए महंगे साबित हो रहे हैं। साथ आना मुश्किल नहीं है, यह इच्छाशक्ति का मामला है। यह सिर्फ़ मेरी इच्छा या स्वार्थ की बात नहीं है। हमें बड़ी तस्वीर देखने की ज़रूरत है। सभी राजनीतिक दलों के मराठी लोगों को एकजुट होकर एक पार्टी बनानी चाहिए।"

हालांकि राज ठाकरे ने 2005 में शिवसेना से अपने पहले के अलगाव और 2022 में एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में होने वाले विभाजन के बीच के अंतर पर ज़ोर दिया। उन्होंने कहा, "मैंने शिवसेना तब छोड़ी जब विधायक और सांसद मेरे साथ थे। तब भी, मैंने अकेले चलना चुना क्योंकि मैं बालासाहेब ठाकरे के अलावा किसी और के अधीन काम नहीं कर सकता था। मुझे उद्धव के साथ काम करने में कोई आपत्ति नहीं थी। सवाल यह है – क्या दूसरे पक्ष में मेरे साथ काम करने की इच्छा है? अगर महाराष्ट्र चाहता है कि हम साथ आएं, तो महाराष्ट्र को बोलने दें। मैं अपने अहंकार को ऐसे मामलों में आड़े नहीं आने देता।"

उद्धव ठाकरे ने दिया जवाब

भारतीय कामगार सेना द्वारा आयोजित एक सभा को संबोधित करते हुए उद्धव ठाकरे ने सुलह के लिए सशर्त खुलापन व्यक्त किया। उन्होंने कहा, "मैं छोटे-मोटे विवादों को किनारे रखने के लिए तैयार हूं। मैं सभी मराठी लोगों से महाराष्ट्र के हित में एकजुट होने की अपील करता हूं। लेकिन एक शर्त है – जब हमने संसद में कहा था कि उद्योगों को गुजरात में ट्रांसफर किया जा रहा है, अगर हम तब एकजुट होते, तो हम महाराष्ट्र के लिए काम करने वाली सरकार बना सकते थे। हम पक्ष बदलते नहीं रह सकते – एक दिन उनका समर्थन, दूसरे दिन उनका विरोध और फिर से समझौता।" उद्धव ठाकरे ने कहा, "जो कोई भी महाराष्ट्र के हितों के खिलाफ काम करता है – मैं उसका स्वागत नहीं करूंगा, उसे घर नहीं बुलाऊंगा, या उसके साथ नहीं बैठूंगा। पहले यह स्पष्ट हो जाए, और फिर हम महाराष्ट्र के लिए मिलकर काम करें।"

मनोरोग अस्पताल में पुरानी यादों का सफर कार्यक्रम का आयोजन

ठाणे. मनोरोग अस्पताल की सौ साल पुरानी इमारत अगले कुछ दिनों में ध्वस्त होने वाली है, उन यादों को हमेशा के लिए संरक्षित करने के लिए अस्पताल में नई इमारत में पुरानी यादों की यात्रा नामक एक भावनात्मक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

1901 में स्थापित और ठाणे की पहचान का अभिन्न अंग यह अस्पताल लगभग 72 एकड़ क्षेत्र में फैला हुआ है और वर्तमान में इसकी क्षमता 1850 बेड की है। लेकिन अब इसी स्थान पर बंगलौर स्थित निम्हान्स की तर्ज पर भारत में एक आधुनिक और शानदार मनोरोग अस्पताल का निर्माण किया जा रहा है। नए अस्पताल में कुल 3278 बेड,चिकित्सा अधिकारियों, तृतीय और चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों के लिए आवास, मरीजों के लिए पुनर्वास केंद्र, बच्चों के लिए एक अलग विभाग, ईसीटी, व्यावसायिक चिकित्सा, न्यूरोलॉजी विभाग और सर्जरी जैसी आधुनिक सुविधाएं होंगी।लेकिन यह उन लोगों के लिए एक भावनात्मक क्षण था जो दशकों से इन पुरानी इमारतों में काम कर रहे थे।

इस कार्यक्रम को देखकर कई लोगों की आंखों में आंसू आ गए। अस्पताल के अधिकारियों और कर्मचारियों ने कहा कि भले ही इमारतें ध्वस्त की जा रही हैं, लेकिन उनमें मौजूद यादें हमेशा के लिए सुरक्षित रहेंगी। कार्यक्रम के दौरान अस्पताल का एक वीडियो भी दिखाया गया। इस अवसर पर स्वास्थ्य उपसंचालक डॉ. अशोक नंदापुरकर, चिकित्सा अधीक्षक डॉ. नेताजी मुलिक, डॉ. संजय बोडाडे, पूर्व चिकित्सा अधीक्षक डॉ. संजय कुमावत, डॉ. पारस लावत्रे, डॉ. जी.एस. दाते, अतिरिक्त जिला शल्य चिकित्सक डॉ. धीरज महांगड़े डॉ. ममता अलसपुरकर सहित अन्य पूर्व चिकित्सा अधिकारी एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

अनधिकृत रिक्शा के खिलाफ होगी कार्रवाई

■ **ट्रैफिक की समस्या दूर करने कार्स यमिति की समीक्षा बैठक में फैसला**

भिवंडी. भिवंडी शहर में यातायात की समस्या को दूर करने के लिए उपाय करने हेतु 6 मार्च को एक बैठक में पुलिस विभाग और मनपा अधिकारियों की एक कार्य समिति का गठन किया गया। इस समिति की 16 अप्रैल को प्रशासक एवं आयुक्त की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में आयुक्त ने शहर में अनाधिकृत एवं बिना लाइसेंस वाले रिक्शा के खिलाफ मुख्य रूप से परिवहन विभाग के माध्यम से कार्रवाई करने के निर्देश संबंधितों को दिए।

साथ ही, पुलिस विभाग ने अनुरोध किया कि शहर के अधिकार क्षेत्र से बाहर के वाहनों, बिना लाइसेंस वाले वाहनों और बिना फिटनेस प्रमाण पत्र वाले वाहनों के लिए विशेष तलाशी अभियान अगले 2 महीनों तक जारी रखा जाए, ताकि शहर में यातायात की भीड़ को कम किया जा सके।

आयुक्त ने शहर में अनाधिकृत रिक्शा स्टैंडों के खिलाफ भी कार्रवाई के निर्देश दिए। इसके लिए परिवहन विभाग, पुलिस विभाग एवं मनपा संयुक्त रूप से कार्रवाई करें। इसके अलावा, शहर की सड़कों और फ्लाईओवर के नीचे खड़े लावारिस वाहनों के मालिकों को तुरंत उन्हें उठा लेना चाहिए, अन्यथा समय सीमा के बाद उन्हें लावारिस वाहन के रूप में चिह्नित कर परिवहन विभाग द्वारा जब्त कर लिया जाएगा।

आयुक्त ने यह भी कहा कि परिवहन विभाग इन लावारिस वाहनों के तत्काल निपटान के लिए जिम्मेदार होगा। आयुक्त ने संपत्ति विभाग के प्रमुख को निर्देश दिए कि छत्रपति शिवाजी महाराज चौक पर नगर निगम द्वारा निर्मित पार्किंग स्थल, जो अनुपयोगी पड़ा है, की जांच कर नागरिकों को निशुल्क पार्किंग उपलब्ध कराने के निर्देश दिए तथा तत्काल रिपोर्ट प्रस्तुत करें।

बैठक में अपर आयुक्त देवीदास पवार, विठ्ठल डाके, उपायुक्त (अतिक्रमण) विक्रम दराडे, सहायक पुलिस आयुक्त (पूर्व) देशमुख, सहायक पुलिस आयुक्त (पश्चिम) शरद ओहोल, शहर अभियंता जमील पटेल, पुलिस निरीक्षक (यातायात) सुधाकर खोत, रवि साठे, परिवहन अधिकारी (आरटीओ), वार्ड अधिकारी वार्ड समिति क्रमांक 1-5, और जलापूर्ति, निर्माण, बिजली विभागों के अभियंता और संबंधित विभागाध्यक्ष उपस्थित थे।

जैन समाज की बीएमसी से मंदिर के पुनर्निर्माण और माफी की मांग

मुंबई. दिगंबर जैन मंदिर के तोड़े जाने से जैन समाज में आक्रोश देखने को मिल रहा है. मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) ने 11 अप्रैल को बिना किसी पूर्व सूचना के ये मंदिर तोड़ दिया था. इस कार्रवाई के बाद से जैन समाज के लोग सड़कों पर उतर आए हैं और दोषी अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं. प्रभावित जैन समुदाय का कहना है कि मंदिर में कोई भी निर्माण कार्य नहीं चल रहा था और बीएमसी ने बिना किसी कारण मंदिर को ढहा दिया. एक बड़ा विरोध प्रदर्शन आयोजित किया जा रहा है जिसमें महाराष्ट्र सरकार के मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा और विधायक प्राग अलवाड़ी भी शामिल होंगे. जैन समाज बीएमसी से मंदिर के पुनर्निर्माण और सार्वजनिक माफी की मांग कर रहा है.

'एआई' के माध्यम से रिकॉर्ड बालासाहेब का भाषण एक डिजिटल धोखाधड़ी

■ **शिवसेना प्रवक्ता और सांसद नरेश म्हस्के ने उबाठा की आलोचना की**

ठाणे. वोटों का लालच किसी भी स्तर तक जा सकता है।एआई का उपयोग करके बालासाहेब की हरे रंग की शॉल और बुनी हुई टोपी पहने हुए तस्वीरें भी बनाएंगे। शिवसेना सांसद और प्रवक्ता नरेश म्हस्के ने बची हुई सेना को चीनी उत्पाद बताकर इसकी कड़ी आलोचना की और कहा कि अब इसका उपभोग जनता नहीं करेगी। नासिक में एक सभा में बालासाहेब का भाषण जिसे 'एआई' का उपयोग करके दिखाया गया है।एक डिजिटल धोखाधड़ी है। सांसद म्हस्के ने मांग की कि इस डिजिटल धोखाधड़ी के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए।वह ठाणे में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में बोल रहे थे।सांसद म्हस्के ने कहा कि एक बीमा कंपनी का विज्ञापन है जिसमें लिखा है जीवन के साथ जीवन और जीवन के बाद जीवन। उद्धव ठाकरे के साथ भी यही हुआ है। उन्होंने बालासाहेब को जीवन भर प्रताड़ित किया और अब वे जीवन के बाद भी उन्हें प्रताड़ित कर रहे हैं। बालासाहेब के प्रति उद्धव ठाकरे की वफादारी नकली और बनावटी थी। इसलिए उन्हें बालासाहेब की नकली आवाज पर निर्भर रहना पड़ा। सांसद म्हस्के ने उबाठा की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि उनका व्यवहार नकली है, उनका दिल नकली है, उनके दिल की भावनाएं नकली हैं, उनके आसपास के नेता नकली हैं, उनकी पार्टी नकली है और इसीलिए उन्हें नकली आवाजों का सहारा लेना पड़ा। उन्होंने मजाक में कहा कि ऐसी नकलें तब सुझाई जाती हैं जब सामान्य बुद्धि खो जाती है।अगर बालासाहेब आज जीवित होते तो वे अपनी असली आवाज में उद्धव ठाकरे की हजामत बना देते। उन्होंने कहा होगा आप उस कांग्रेस को बढ़ाने में मदद कर रहे हैं जिसे मैं दफनाने जा रहा था। सांसद म्हस्के ने कहा कि बालासाहेब ने पार्टी को बेचने के लिए उबाठा को पीठ पर लात मारी होगी।हीरे से पैदा हुए कंकड़ चाहे जितना भी दिखावा करने की कोशिश करें वे हीरे नहीं बन पाते। बालासाहेब की शिक्षाओं से प्रशिक्षित एकनाथ शिंदे सच्चा हीरा हैं। उन्होंने आगे कहा कि बालासाहेब हमारे भगवान थे, हैं और रहेंगे। हमें उनकी नकली आवाज़ों की ज़रूरत नहीं होगी। क्योंकि उनकी सच्ची आवाज़ हमारे दिलों में है। यह सच्चे शिवसैनिकों के दिल में है। सांसद म्हस्के ने व्यंग्यात्मक ढंग से आदित्य ठाकरे को चुनौती दी।

विधायक केलकर के जनसंवाद में नागरिक संतुष्ट

ठाणे. विधायक संजय केलकर नागरिकों की समस्याओं के समाधान के लिए हर सोमवार और शुक्रवार को भाजपा के खोपट कार्यालय में मौजूद रहते हैं।विधायक केलकर ने शुक्रवार को खोपट स्थित भाजपा कार्यालय में सैकड़ों नागरिकों की समस्याएं सुनीं।इस अवसर पर ठाणे जिला हाउसिंग सोसायटी फेडरेशन के अध्यक्ष सीताराम राणे, पूर्व नगरसेवक नारायण पवार, सुनेश जोशी, भाजपा ठाणे शहर जिला उपाध्यक्ष महेश कदम, दीपक जाधव, दत्ता घाडगे, ओंकार चव्हाण और राजेश जाधव उपस्थित थे।आज विभिन्न मुद्दों पर 58 आवेदन प्राप्त हुए जिसमें टीएमसी के अंतर्गत अतिक्रमण, भवनों में सौर प्रणाली, वर्तकनगर में विकास संबंधी मुद्दे, रुका हुआ विकास, कोपरी में प्रसूति वार्ड स्टाफ,पानी संबंधी मुद्दे, पुलिस स्टेशन में शिकायतें, डेवलपर द्वारा की गई धोखाधड़ी, शैक्षिक मुद्दे, सहकारी क्षेत्र के मुद्दे,श्रमिक मुद्दे और भूमि धोखाधड़ी।विधायक केलकर ने मिलने आए नागरिकों की समस्याओं और मुद्दों को सुना तथा उनके आवेदन पत्र को लिया।इस बार उन्होंने संबंधित अधिकारियों से फोन पर बात करके कुछ समस्याओं का वहीं समाधान कर दिया।इस पहल से अनेक आम नागरिकों को न्याय मिल रहा है, जिससे वे संतुष्ट हैं।इस जनसंवाद में नागरिक सिर्फ ठाणे ही नहीं बल्कि डोंबिवली, कल्याण, दादर, अंबरनाथ, बदलापुर आदि विभिन्न क्षेत्रों से अपनी समस्याएं लेकर आ रहे हैं।

तेज रफ्तार ट्रक पलट गया; मजदूर की मौत

मुंबई. चेंबूर में ईस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे पर सिद्धार्थ कॉलोनी के पास दुखद हादसा हुआ, जब बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) का एक तेज रफ्तार कचरा ट्रक पलट गया। इस हादसे में एक मजदूर की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। चेंबूर पुलिस ने मामला दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, यह हादसा सुबह करीब 7 बजे हुआ, जब ट्रक घाटकोपर से सायन कचरा ले जा रहा था। जैसे ही वाहन सिद्धार्थ कॉलोनी के पास पहुंचा, चालक ने नियंत्रण खो दिया और ट्रक पलटने से पहले सड़क के डिवाइडर से टकरा गया।

चालक की पहचान 27 वर्षीय अलाउद्दीन शाह के रूप में हुई, जो समय रहते वाहन से भागने में सफल रहा, जिससे उसे गंभीर चोट लगने से बाल-बाल बच गया। हालांकि, उसका साथी अब्दुल (26) पलटे हुए ट्रक के नीचे फंस गया। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी, जो मौके पर पहुंची और क्रेन की मदद से वाहन को उठाने में कामयाब रही। अब्दुल को बाहर निकाला गया और राजावाड़ी अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने इलाज शुरू होने से पहले ही उसे मृत घोषित कर दिया।

झगड़े के दौरान दोस्त की गला घोंटकर हत्या

मुंबई : वडाला ईस्ट में एक चौंकाने वाली घटना में,शराब के नशे में हुए झगड़े के दौरान 32 वर्षीय एक व्यक्ति की उसके दोस्त ने कथित तौर पर गला घोंटकर हत्या कर दी। यह घटना 16 अप्रैल को रात करीब 11:30 बजे शांति नगर इलाके में हुई। मृतक की पहचान मोहम्मद सलमान मोहम्मद इदरीस अंसारी के रूप में हुई है, जो वडाला ईस्ट में अपने परिवार के साथ रहने वाला एक दिहाड़ी मजदूर था।

आम सूचना

मैं श्री प्रेमचंद गोहीमल थेरयानी सभी को सूचित कर रहा हूं कि शॉप नं. 2, ग्राऊंड फ्लोर, कैलाश काम्पलेक्स, उल्हासनगर-2. (टैक्स नं. 28बीआय005059400) उक्त प्रॉपर्टी श्री गोपीमल चंदामल थेरयानी के नाम पर है। उनसे गिफ्ट एग्रीमेंट दि. 5.3.2016 सी.नं. 1721 द्वारा प्राप्त की है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री प्रेमचंद गोहीमल थेरयानी

कई OTT प्रोजेक्ट्स ठुकरा चुकी हैं भूमि पेडनेकर

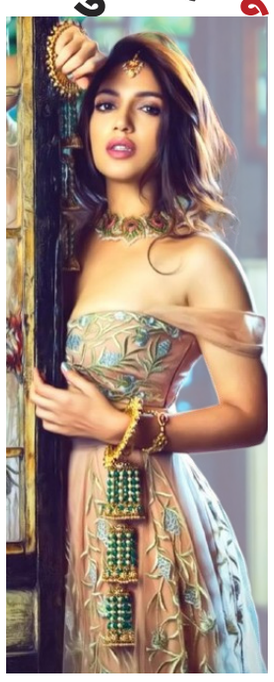

बड़े पर्दे के बाद अब एक्ट्रेस भूमि पेडनेकर आखिरकार ओटीटी की दुनिया में कदम रखने जा रही हैं। वह जल्द ही वेब सीरीज 'द रॉयल्स' में नजर आएंगी। हालांकि यह पहली बार नहीं है जब उन्हें वेब सीरीज में काम करने का प्रस्ताव मिला हो। इससे पहले भी उन्होंने कई ओटीटी प्रोजेक्ट्स ठुकरा दिए थे।

भूमि पेडनेकर ने कहा, 'मुझे ओटीटी पर डेब्यू करने के लिए कई वेब सीरीज के ऑफर मिले थे। मैंने सभी की स्क्रिप्ट्स भी पढ़ी थीं, लेकिन उन्हें करने से इनकार कर दिया। हालांकि बाद में वे सभी प्रोजेक्ट्स काफी सफल रहे। लेकिन सबसे बड़ी बात यह है कि मुझे उन प्रोजेक्ट्स से वैसा जुड़ाव कभी महसूस नहीं हुआ, जैसा कि 'द रॉयल्स' से हुआ। इसलिए इसके लिए हामी भर दी।

भूमि ने आगे कहा, 'मेरे लिए सबसे जरूरी बात थी सही कहानी और सही जॉनर का मिलना। जहां तक 'द रॉयल्स' की बात है, यह एक रोमांटिक कॉमेडी है, और रोम-कॉम मेरा सबसे पसंदीदा जॉनर है। मुझे नहीं लगता कि आजकल हम इस तरह की फिल्में या शोज बना रहे हैं। मैं मिल्स एंड बून के नॉवेल्स पढ़ते हुए बड़ी हुई हूं। शायद इसी वजह से मुझे कोरियन ड्रामा भी बहुत पसंद हैं, क्योंकि उनमें रोमांस भरपूर होता है।

9 मई को नेटफ्लिक्स पर प्रीमियर होगा शो

'द रॉयल्स' में भूमि पेडनेकर के साथ ईशान खट्टर प्रमुख भूमिका में नजर आएंगे। इन दोनों के अलावा इस शो में जीनत अमान, साक्षी तंवर, नोरा फतेही, डिनो मोरिया, मिलिंद सोमन, चंकी पांडे, विहान सामत और सुमुखी सुरेश जैसे कई कलाकार हैं। यह शो 9 मई को नेटफ्लिक्स पर प्रीमियर होगा।

NCP-SP का महंगाई के खिलाफ हल्लाबोल

■ **इस देश की अर्थव्यवस्था चरमरा गई है - ऋता जितेंद्र अव्हाड**

ठाणे. राज्य और केंद्र सरकार बढ़ती महंगाई को नियंत्रित करने में विफल हो रही है। खाद्य तेल, ईंधन और सिलेंडर की कीमतें दिन-प्रतिदिन बढ़ रही हैं। इसके विरोध में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव डॉ. जितेंद्र आव्हाड-शरदचंद्र पवार के आदेश पर शहर अध्यक्ष सुहास देसाई, कार्यकारी अध्यक्ष प्रकाश पाटिल, महिला अध्यक्ष सुजाताताई घाग, युवा अध्यक्ष विक्रम खामकर, प्रदेश प्रवक्ता रचना वैद्य की उपस्थिति में आव्हाड के नेतृत्व में दो बाइक खड़ी कर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर पत्रकारों से बात करते हुए ऋता आव्हाड ने कहा कि यहां दोपहिया वाहन पलटकर विरोध प्रदर्शन किया गया। इस देश की अर्थव्यवस्था ख़राब हो चुकी है। हमारे देश में मुद्रास्तिति कम करने के लिए कोई नीति नहीं बनाई जा रही है। अब सरकार को जनता को बताना चाहिए कि महंगाई कम करने के लिए क्या करना चाहिए। जिला अध्यक्ष सुहास देसाई ने कहा कि वर्तमान में कंपनियां पेट्रोल-डीजल पर 15 रुपये प्रति लीटर का मोटा मुनाफा कमा रही हैं, जबकि आम आदमी की जेब पर डाका डाला जा रहा है। कच्चे तेल की कीमतें इस समय चार साल के निचले स्तर पर हैं। तो वहीं क्षेत्रीय प्रवक्ता रचना वैद्य ने कहा कि यह सरकार हम महिलाओं को मूर्ख समझ रही है।

शेयर बाजार में पैसे गंवाने वाले शख्स ने खुद को गोली मार ली

मुंबई. मुंबई के उपनगर भांडुप से चौंकाने वाली घटना सामने आई, जहां शेयर बाजार में पैसे गंवाने से परेशान एक 38 साल के शख्स ने खुद को गोली मार ली. यह घटना शाम करीब 4:30 बजे की है. मिली जानकारी के मुताबिक, घायल शख्स का नाम मनोज चंद्रकांत भोसले है, जो पिछले दो दिनों से शेयर बाजार में हुए नुकसान को लेकर तनाव में था. घटना के समय वह अपनी पत्नी और बच्चों के साथ एमएचएडीए कॉलोनी, सुभाष नगर स्थित अपने फ्लैट लौट रहे थे. घर की सीढ़ियों पर पहुंचते ही उन्होंने अचानक रुककर पिस्तौल से खुद पर गोली चला दी. गोली उनके गले के पास लगी जिससे वो गंभीर रूप से घायल हो गया. परिजनों ने तुरंत उन्हें नजदीकी निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उनका इलाज जारी है.

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि फिलहाल मनोज की हालत नाजुक बनी हुई है और प्राथमिक जांच में यह मामला आत्महत्या की कोशिश जैसा लग रहा है. पुलिस यह भी पता लगाने में जुटी है कि उनके पास पिस्तौल कहां से आई और क्या वह लाइसेंसी थी. मौके पर मौजूद परिजनों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं और घटना के अन्य पहलुओं की जांच की जा रही है.

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099